वर्ष : 34 | अंक : 352 | मुंबई, शनिवार, 28 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

- केजरीवाल-सिसोदिया सहित सभी 23 आरोपी बरी
- हजारों पन्नों की चार्जशीट, अपराध का एक भी सबूत नहीं
- मनीष सिसोदिया और तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की बेटी के कविता भी दोषमुक्त
- 598 पेज के आदेश में कोर्ट ने सीबीई को बुरी तरह फटकारा, अधिकारियों पर ही कर दी कार्रवाई की बात

हजारों पन्नों में कोई ठोस सबूत नहीं मिला

एक दिलचस्प टिप्पणी में जज ने कहा, 'जब आप किसी फाइल को बहुत गहराई से और बार-बार पढ़ते हैं, तो फाइलें आपसे बात करने लगती हैं।' इसका इशारा चार्जशीट की विसंगतियों की ओर था, जहां हजारों पन्नों में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि एक्साइज पॉलिसी 2021-22 में पब्लिक सर्वेंट्स और प्राइवेट व्यक्तियों ने साजिश रची, लेकिन अदालत ने इसे 'अनुमान-आधारित' बताया।

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

साउथ ग्रुप शब्द के इस्तेमाल पर अदालत नाराज

अदालत ने सीबीआई द्वारा 'साउथ ग्रुप' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर कड़ी नाराजगी जताई। जज ने पूछा, अगर जांच एजेंसी यही चार्जशीट चेन्नई में फाइल करती तो क्या साउथ ग्रुप लिखती? किसने ये शब्द बनाया? एजेंसी के वकील ने सफाई दी कि यह आरोपियों के लिए साझा शब्द था, लेकिन जज ने अमेरिका के एक केस का हवाला देते हुए कहा कि 'डोमिनिक ग्रुप' जैसे शब्द के इस्तेमाल से केस खारिज हो गया था। उन्होंने माना कि 'साउथ ग्रुप' जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए था, क्योंकि यह पूर्वाग्रहपूर्ण लगता है।

दिल्ली एक्साइज पॉलिसी घोटाला

आप हुए बाइज्जत बरी

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली की राजनीति में पिछले कुछ साल किसी फिल्मी थ्रिलर से कम नहीं रहे। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी (AAP) खुद भ्रष्टाचार के आरोपों के ऐसे भंवर में फंसी कि उसकी जड़ें हिल गईं। जिसे 'शराब घोटाला' कहा गया, उसने न केवल अरविंद केजरीवाल को जेल की सलाखों के पीछे भेजा, बल्कि पार्टी की साख और संगठन पर भी गहरे घाव दिए। लेकिन तीन साल से चली आ रही अदालती और सियासी लड़ाई में शुक्रवार का दिन फैसले वाला रहा। दिल्ली की राउज एवन्यू कोर्ट ने सीबीआई की चार्जशीट को बेहद कमजोर मानते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और AAP सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को बरी कर दिया। केजरीवाल के साथ उनके कैबिनेट सहयोगी रहे मनीष सिसौदिया और तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की बेटी के कविता को भी शराब घोटाले के आरोपों से दोषमुक्त कर दिया है। इस मामले के कुल 23 आरोपी बरी हुई हैं, लेकिन इसे सबसे बड़ी राहत केजरीवाल और उनकी पार्टी के लिए माना जा रहा है, जिन्होंने इस शराब घोटाले के चलते काफी कुछ राजनीतिक और व्यक्तिगत रूप से खोया और सहा।

प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह ने हमारे खिलाफ षड्यंत्र रचा: केजरीवाल

पेश तथ्य गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते

जज सिंह ने सुनवाई के दौरान एजेंसी पर कई बार नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि चार्जशीट में काफी विरोधाभास हैं। हजारों पेजों में पेश तथ्य गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते। फैसले में जेल में बिताए समय पर भी टिप्पणी की गई। अदालत ने नोट किया कि मनीष सिसोदिया करीब 530 दिन जेल में रहे, जबकि अरविंद केजरीवाल दो बार के अंतराल में 156 दिन हिरासत में थे। केजरीवाल को 13 सितंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई मामले में जमानत दी थी। जज ने सुनवाई के दौरान सीबीआई की चार्जशीट पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रस्तुत दस्तावेज चार्जशीट से मेल नहीं खाते। आरोप तय करने पर 12 फरवरी 2026 को फैसला सुरक्षित रखा गया था।

सीबीआई की हजारों पन्नों की चार्जशीट पूरी तरह से खारिज

दिल्ली एक्साइज पॉलिसी घोटाले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई की हजारों पन्नों की चार्जशीट को पूरी तरह खारिज कर दिया। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने 598 पेज के अपने विस्तृत आदेश में कहा कि मुख्य चार्जशीट (24 नवंबर 2022) और चार पूरक चार्जशीटों में अपराध का एक भी ठोस सबूत नहीं है। अदालत ने सीबीआई जांच को विरोधाभासी और हेरफेर से भरी बताते हुए जांच अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की। जज ने सीबीआई की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि दस्तावेज गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते, अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में पूरी तरह विफल रहा, और कोई आपराधिक साजिश का साक्ष्य नहीं मिला। इस फैसले ने केंद्रीय एजेंसियों की निष्पक्षता पर गंभीर बहस छेड़ दी है।

कितने दिन जेल की सलाखों के पीछे रहे?

आम आदमी पार्टी के लिए सबसे मुश्किल दौर तब आया जब उसके शीर्ष नेता एक-एक कर जेल चले गए। आबकारी विभाग के प्रभारी होने के नाते मनीष सिसोदिया को फरवरी 2023 में गिरफ्तार किया गया। वे लगभग 17 महीने जेल में रहे। राज्यसभा सांसद संजय सिंह को अक्टूबर 2023 में गिरफ्तार किया गया और वे करीब 6 महीने जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया। बीच में लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचार के लिए उन्हें अंतरिम जमानत मिली, लेकिन कुल मिलाकर उन्होंने करीब 5-6 महीने जेल में बिताए। इस दौरान उन्होंने जेल से सीएम पद संभाला और दिल्ली की सरकार चलाई।

चुनाव और राजनीति : क्या खोया आप ने?

शराब घोटाले के दाग ने आम आदमी पार्टी को चुनावी मैदान में काफी नुकसान पहुंचाया। 2024 लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सभी 7 सीटों पर AAP और कांग्रेस का गठबंधन बुरी तरह हार गया। जिसके लिए केजरीवाल कहते हैं कि इस चुनाव जीतने की खातिर साजिश रची गई। टीवी पर 'भ्रष्टाचार' के मुद्दे पर रोजाना डिबेट चलाई गई। AAP की 'कट्टर ईमानदार' वाली छवि को गहरा धक्का लगा। केजरीवाल को यह साबित करने के लिए संघर्ष करना पड़ा कि वे निर्दोष हैं। घोटाले के आरोपों और जेल जाने के नैतिक दबाव के चलते अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

आप और केजरीवाल के लिए अब आगे क्या?

भले ही निचली अदालत ने केजरीवाल को राहत दी हो, लेकिन इस घोटाले ने आम आदमी पार्टी की राजनीतिक दिशा बदल दी। एक समय पूरे देश में विस्तार का सपना देखने वाली पार्टी आज अपनी साख बचाने की लड़ाई लड़ रही है। केजरीवाल के लिए यह केवल कानूनी लड़ाई नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक विरासत को फिर से खड़ा करने की चुनौती है। पिछले साल फरवरी में दिल्ली चुनाव हार जाने के बाद केजरीवाल लगभग वनवास पर दिल्ली से दूर पंजाब चले गए और वहीं की राजनीति तक सिमट गए। अब कोर्ट से बरी होने के बाद दिल्ली की राजनीति में भव्य एंट्री लेने का मौका मिल गया है। सीबीआई भले कह रही हो कि वह निचली अदालत के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करेगी, लेकिन तब तक केजरीवाल के पास जनता की अदालत में अपील का मौका होगा। वे पंजाब से बाहर दिल्ली, गुजरात और गोवा में दोगुनी ताकत से बोलते सुनाई देंगे।

राजनीतिक विद्वेष की वजह से जोड़ा गया केजरीवाल का नाम: एन हरिहरन

सुनवाई के दौरान केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील एन हरिहरन ने दलील दी कि उनके खिलाफ कोई पुख्ता सबूत नहीं है। हरिहरन ने कहा, केजरीवाल सरकारी काम कर रहे थे। कोई साक्ष्य नहीं कि उन्होंने साउथ लॉबी से पैसे मांगे। उनका नाम पहले तीन चार्जशीट में नहीं था, चौथे पूरक में जोड़ा गया। जज ने सीबीआई की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए 'कन्फेशनल स्टेटमेंट' पर नाराजगी जताई। जब सीबीआई ने कहा कि बयान 'सील कवर' में है, तो जज बिफर पड़े, मुझे अभी तक कॉपी नहीं दी गई। मैं जांच एजेंसी के वकीलों से पूरी ईमानदारी की उम्मीद करता हूं।

केजरीवाल और सहयोगियों पर क्या थे आरोप?

पूरे मामले का 'किंगपिन' या मुख्य साजिशकर्ता बताया गया. उन पर और उनके सहयोगियों पर मुख्य रूप से तीन आरोप थे। आरोप था कि मनीष सिसोदिया और अन्य नेताओं ने विशेषज्ञों की राय को दरकिनार कर शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाने के लिए नीति बदली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने भ्रष्टाचार और ED ने अवैध तरीके से पैसे के हेरफेर (मनी लॉन्ड्रिंग) का मामला दर्ज किया। आरोप था कि 'साउथ ग्रुप' के नेताओं और व्यापारियों के साथ मिलकर दिल्ली के शराब बाजार पर कब्जा करने की साजिश रची गई।

ब्रीफ न्यूज़

पुणे पोर्श हादसा : ब्लड सैंपल से छेड़छाड़ करनेवाले डॉक्टर को जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस डॉक्टर को जमानत दे दी, जिसने मुख्य आरोपी किशोर के ब्लड सैंपल के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की थी। बता दें कि 19 मई, 2024 को शराब के नशे में 17 साल के लड़के ने पोर्श कार से पुणे के कल्याणी नगर इलाके में दो इंजीनियरों को टक्कर मार दी थी। दोनों की मौत हो गई थी। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने शुक्रवार को ससून जनरल हॉस्पिटल के पूर्व मेडिकल सुपरिटेंडेंट, डॉ. अजय तावड़े को राहत देते हुए जमानत दे दी। अदालत ने दो फरवरी को भी इस मामले में तीन आरोपियों को जमानत दी थी।

कोऑपरेटिव बैंक घोटाला : क्लोज हुआ केस

मुंबई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने अपनी जांच के बाद क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसमें कहा गया था कि बैंक लोन मामले में कोई आपराधिक इरादा या मामला नहीं बनता है। शुक्रवार को न्यायमूर्ति महेश जाधव ने इस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। इसका सीधा मतलब यह है कि अब इस मामले में कोई कानूनी मुकदमा नहीं चलेगा और सभी आरोपितों को क्लीन चिट मिल गई है। इस फैसले से न केवल दिवंगत अजित पवार, बल्कि उनकी पत्नी और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, भतीजे रोहित पवार और कई अन्य राजनीतिक दिग्गजों को राहत मिली है। 2019 से शुरू हुई इस जांच की तलवार पिछले कई सालों से इन नेताओं पर लटक रही थी, जो अब कोर्ट के आदेश के बाद हट गई है। इस फैसले का सबसे भावुक और चौंकाने वाला पहलू यह है कि यह उस समय आया है जब अजित पवार अब हमारे बीच नहीं रहे। लगभग एक महीने पहले बारामती में एक विमान दुर्घटना में उनकी दुखद मृत्यु हो गई थी।

बंद होती पाठशालाएं

2 हजार मराठी स्कूल बंद होने के कगार पर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

एक ओर राज्य में मराठी भाषा के संवर्धन और संरक्षण के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में हजारों मराठी विद्यालय बंद होने के कगार पर पहुंच गए हैं। शुक्रवार को मराठी भाषा दिवस पर महाराष्ट्र विधानसभा में सदस्यों ने मराठी स्कूलों में घटती छात्र संख्या का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा।

अंग्रेजी का 'क्रेज' और सामाजिक बदलाव

शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने सदन में स्वीकार किया कि आज के दौर में अभिभावकों का झुकाव अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने की ओर बढ़ा है। यह एक सामाजिक बदलाव है जिसे नकारा नहीं जा सकता। पलायन के साथ-साथ इस 'इंग्लिश मीडियम' के बढ़ते चलन ने मराठी स्कूलों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

बंद होने वाले स्कूल	लगभग 2,000
शिक्षक पदों में कमी	72,000
प्रमुख प्रभावित क्षेत्र	कोंकण और पश्चिम महाराष्ट्र
सरकारी पहल	477 आदर्श स्कूल और 827 पीएमश्री स्कूल

72 हजार पद खत्म

मराठी स्कूलों से छात्रों का मोहभंग होने का सबसे बड़ा नुकसान रोजगार पर पड़ा है। पिछले 15 सालों में विद्यार्थी संख्या घटने के कारण शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के 72,000 पद कम हो गए हैं। यह राज्य की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ा 'सेटबैक' है। अमित देशमुख, रोहित पवार और जितेंद्र आव्हाड जैसे विधायकों ने सरकार से पूछा कि आखिर हम अपनी मूल भाषा के स्कूलों को बचाने में पीछे क्यों रह रहे हैं?

पलायन और शहरीकरण की दोहरी मार

विधानसभा में सदस्यों ने चिंता जताई कि ग्रामीण इलाकों और कस्बों से लोग रोजगार की तलाश में बड़े शहरों की ओर भाग रहे हैं। इस माइग्रेशन (पलायन) का सबसे बुरा असर मराठी स्कूलों पर पड़ा है। कोंकण और पश्चिम महाराष्ट्र के गांवों में विद्यार्थियों की संख्या इतनी कम हो गई है कि करीब 2 हजार स्कूल कभी भी बंद हो सकते हैं। हाल ही में सिंधुदुर्ग में स्कूलों को बचाने के लिए मोर्चा भी निकाला गया था।

'अब मजाक करने से डर लगता है'

हास्य के घटते स्तर पर मुख्यमंत्री की चिंता

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि भाषणों में हास्य का स्तर लगातार घट रहा है और इसका आनंद भी फीका पड़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज लोग गलत व्याख्या से बचने के लिए मजाक करने में अत्यधिक सावधानी बरतने लगे हैं। वे विधान भवन में मराठी भाषा गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री को ब्रीफिंग देने से इनकार, आईएएस नपे

पंकजा मुंडे की शिकायत पर एम. देवेंद्र सिंह निलंबित

महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान एक बड़े प्रशासनिक घटनाक्रम में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPCB) के सदस्य सचिव और 2011 बैच के आईएएस अधिकारी एम. देवेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है। उन पर पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे के आदेश की अवहेलना करने और ब्रीफिंग देने से इनकार करने का आरोप है। मामला चंद्रपुर जिले में बढ़ते प्रदूषण से संबंधित है। विधानसभा में इस विषय पर विधायकों द्वारा सवाल पूछे गए थे। जब पर्यावरण मंत्री उत्तर देने के लिए खड़ी हुईं, तो उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों ने उन्हें आवश्यक ब्रीफिंग नहीं दी, जिससे वे पूरी जानकारी सदन के सामने नहीं रख सकीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकारियों को कई बार बैठक के लिए बुलाया गया, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए।

तालिका अध्यक्ष का सख्त रुख

मंत्री की शिकायत पर तालिका अध्यक्ष दिलीप लांडे ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तत्काल निलंबन के आदेश दिए। उन्होंने इसे जनप्रतिनिधियों और लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान बताया और कहा कि कोई भी अधिकारी मंत्रियों और विधायकों के प्रति जवाबदेह नहीं रहेगा, तो यह जनता का अपमान होगा।

मुंबई पहुंचे कनाडा के पीएम कार्नी

मुंबई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी शुक्रवार को चार दिन की विजिट पर मुंबई पहुंचे। 27 फरवरी से 2 मार्च तक चलने वाली इस यात्रा का निमंत्रण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया था। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह दौरा भारत और कनाडा के बीच पिछले कुछ समय से बिगड़े रिश्तों को नई दिशा देने की कोशिश है। कार्नी ने अपने दौरे की शुरुआत मुंबई से की। देश की आर्थिक राजधानी में उन्होंने पहले दो दिन बिजनेसमैन, CEO, इकोनॉमिक एक्सपर्ट और कनाडाई पेंशन फंड के रिप्रेजेंटेटिव से मुलाकात करेंगे। कनाडा इस बार भावनात्मक बयानबाजी नहीं बल्कि मजबूत आर्थिक साझेदारी के एजेंडे के साथ आगे बढ़ना चाहता है।

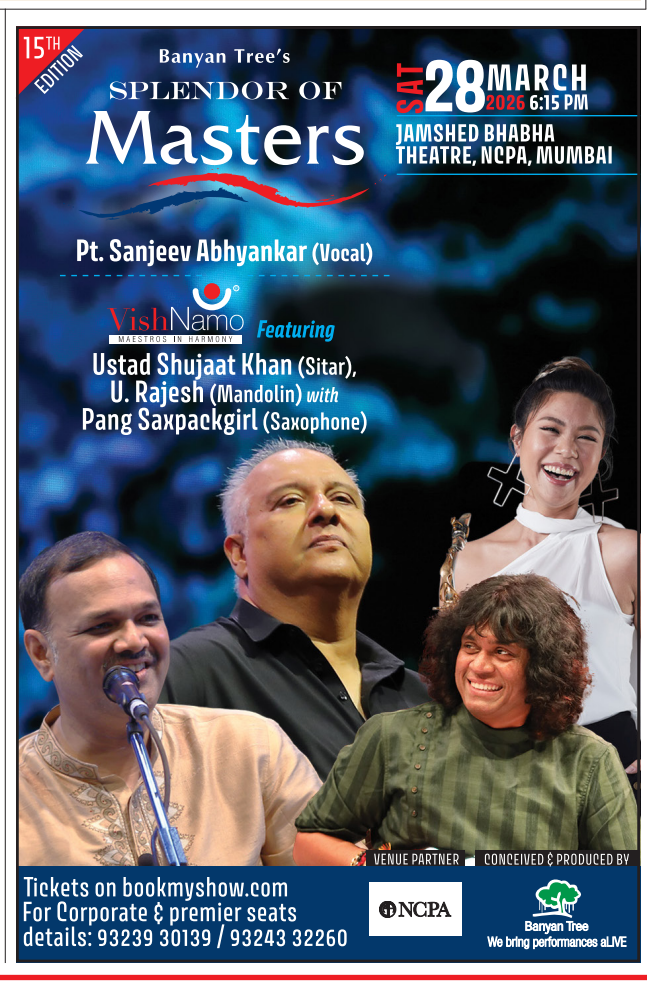

दो नगरपालिकाओं के बीच 'फंसी' जनता

घर हम खाली कराएंगे, पर घर अंबरनाथ मनपा देगी: नोडल अधिकारी

प्राचीन शिवमंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 30 घरों को नोटिस

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर और अंबरनाथ के सीमावर्ती इलाके में प्राचीन शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण प्रोजेक्ट को लेकर प्रशासन और जनता के बीच ठन गई है। आस्था और विकास के इस प्रोजेक्ट ने 'कैलाश कॉलोनी' के करीब 30 परिवारों की रातों की नींद उड़ा दी है।

अंबरनाथ के ऐतिहासिक शिव मंदिर का कायाकल्प होना है, लेकिन इसकी कीमत उल्हासनगर के 'एकता नगर' (कैंप 5) के निवासियों को चुकानी पड़ रही है। उल्हासनगर महानगर पालिका ने करीब 30 घरों को खाली करने का नोटिस थमाया है। ये वो लोग हैं जो पिछले 40-50 सालों से यहां रह रहे हैं। अचानक आए इस आदेश से पूरे इलाके में गुस्से और दहशत का माहौल है।

अंबरनाथ मनपा की योजना, उल्हासनगर महानगर पालिका का 'हथौड़ा'

उल्हासनगर के नोडल अधिकारी गणेश शिम्पी ने इस पर तकनीकी सफाई दी है। उन्होंने बताया कि सौंदर्यीकरण का यह पूरा प्रोजेक्ट अंबरनाथ नगर पालिका का है। चूँकि मंदिर परिसर से सटा कुछ हिस्सा उल्हासनगर की सीमा में आता है, इसलिए कार्रवाई UMC को करनी पड़ रही है। लेकिन प्रशासन ने साफ कर दिया है कि वे केवल 'सरकारी आदेश' का पालन कर रहे हैं, असली जिम्मेदारी अंबरनाथ की है।

पुनर्वास अंबरनाथ की जिम्मेदारी

उल्हासनगर मनपा ने अंबरनाथ प्रशासन को कड़े शब्दों में पत्र लिखकर अपना पल्ला झाड़ लिया है। UMC का कहना है कि प्रभावित 30 परिवारों को नई जगह (पुनर्वास) देने की जिम्मेदारी अंबरनाथ नगर पालिका की है। अब तकनीकी पेच यह है कि एक शहर के विस्थापितों को दूसरा शहर जगह देगा या नहीं? इसी प्रशासनिक फुटबॉल में आम नागरिक फंस गया है।

निवासियों का दो-टूक जवाब

कैलाश कॉलोनी के नागरिक अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। उनका कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन दशकों पुराने अपने घरों को मिट्टी में मिलते नहीं देख सकते। स्थानीय लोगों ने साफ रुख अपनाया है कि जब तक उन्हें रहने के लिए वैकल्पिक जगह या उचित पुनर्वास का लिखित भरोसा नहीं मिलता, तब तक वे एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे।

...और अधूरा रह गया पुलिस भर्ती का सपना

26 वर्षीय युवती ने सुसाइड नोट लिखकर की आत्महत्या

डीबीडी संवाददाता । अंबरनाथ

अंबरनाथ में पुलिस भर्ती में बार-बार असफलता मिलने से परेशान 26 वर्षीय युवती द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई है। यह मामला अंबरनाथ पश्चिम के स्वामीनगर इलाके का है। मृतका की पहचान प्रतीक्षा राणे (26) के रूप में हुई है। इस संबंध में अंबरनाथ पश्चिम पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया गया है। सबसे भावुक कर देने वाली बात यह है कि आत्महत्या से पहले प्रतीक्षा ने अपने माता-पिता के नाम सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें उसने कहा—'आई-बाबा मुझे माफ कर देना। आपको जो जीवन देना चाहती थी, नौकरी न लगने के कारण वह नहीं दे पाई।' यह नोट सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवक-युवतियों में भी शोक की लहर दौड़ गई।

पुलिस के अनुसार प्रतीक्षा अपने परिवार के साथ स्वामीनगर क्षेत्र में रहती थी और पिछले कुछ वर्षों से पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही थी। उसका सपना था कि वह पुलिस विभाग में नौकरी हासिल कर अपने माता-पिता को बेहतर जीवन दे सके। लेकिन हर बार भर्ती प्रक्रिया में असफल होने से वह मानसिक रूप से बेहद निराश हो गई थी।

रात में उठाया आत्मघाती कदम

इसी निराशा के चलते प्रतीक्षा ने 26 फरवरी की रात आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर के केंद्रीय शासकीय अस्पताल भेजा गया।

आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज, जांच जारी

इस मामले में अंबरनाथ पश्चिम पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सय्यद शब्बीर ने इसकी पुष्टि की है। घटना के बाद स्वामीनगर इलाके में शोक और संवेदना का माहौल है, जबकि महाराष्ट्र पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

शिक्षा के नाम पर फर्जीवाड़ा

बालभारती की पाठ्यपुस्तकों की अवैध छपाई और बिक्री के बड़े रैकेट का खुलासा

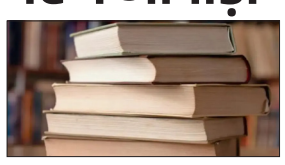

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में सरकारी एजेंसी बालभारती की पाठ्यपुस्तकों की अवैध छपाई और बिक्री के बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। इस गंभीर मामले पर विधानसभा में स्कूल शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने सरकार की ओर से सख्त कार्रवाई की घोषणा करते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि दिसंबर 2025 में नागपुर जिले के हिंगना एमआईडीसी क्षेत्र स्थित एक निजी प्रिंटिंग प्रेस पर छापा मारा गया था, जहां कक्षा 9वीं से 12वीं तक की 20,000 से अधिक नकली पाठ्यपुस्तकें बरामद की गईं। जांच में सामने आया कि इन पुस्तकों को बिना किसी अनुमति के अवैध रूप से छापा जा रहा था।

इस मामले में संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और प्रिंटिंग प्रेस के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। सरकार ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निजी प्रिंटिंग प्रेसों की निगरानी बढ़ाएं और कहीं भी संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर तुरंत कार्रवाई करें।

असली किताबों की पहचान के लिए QR कोड

नकली पुस्तकों पर रोक लगाने के लिए सरकार तकनीकी उपाय अपनाएगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि आगामी शैक्षणिक वर्ष से बालभारती की पुस्तकों के चयनित पृष्ठों पर विशेष 'क्यूआर कोड' छापा जाएगा, जिसे स्कैन कर यह जांचा जा सकेगा कि पुस्तक असली है या नकली। सरकार केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मई और जून में मीडिया के जरिए व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य छात्रों, अभिभावकों और पुस्तक विक्रेताओं को असली पाठ्यपुस्तकों की पहचान के तरीकों से अवगत कराना है, ताकि नए शैक्षणिक सत्र से पहले इस फर्जीवाड़े पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

कक्षा पाँचवीं की छात्रा से बस चालक ने की थी छेड़छाड़

आरोपी जयेश मुने गिरफ्तार, 2 मार्च तक पुलिस हिरासत में

डीबीडी संवाददाता । बदलापुर

बस मालिक और स्कूल प्रबंधन को नोटिस

बदलापुर में कक्षा पांचवीं की एक नाबालिग छात्रा से स्कूल बस चालक द्वारा छेड़छाड़ किए जाने के मामले में पुलिस ने 38 वर्षीय आरोपी चालक जयेश मुने को गिरफ्तार कर कल्याण न्यायालय में पेश किया, जहां अदालत ने उसे 2 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। घटना बुधवार शाम स्कूल छूटने के बाद घर लौटते समय हुई बताई जा रही है।

बताया गया कि बस चालक ने बातचीत के दौरान छात्रा के साथ कथित रूप से छेड़छाड़ की। घर पहुंचने के बाद छात्रा ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई, जिसके बाद बुधवार मध्यरात्रि को बदलापुर पश्चिम पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वांगणी निवासी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले आठ वर्षों से संबंधित स्कूल बस में चालक के रूप में कार्यरत था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना के समय बस में महिला परिचारिका मौजूद नहीं थी, जो नियमों के अनुसार अनिवार्य होती है।

पहले की घटनाओं के बाद भी सुरक्षा पर सवाल

पिछले महीने भी स्कूल वैन में एक बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आ चुकी है, इसके बावजूद स्कूल वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए जाने के आरोप लग रहे हैं। हाल ही में विधान परिषद की उपसभापति नीलम गो*हे ने बदलापुर का दौरा कर सख्त नियम लागू करने के संकेत दिए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात नहीं सुधरे हैं। घटना के बाद अभिभावकों में भय और आक्रोश है, जबकि महाराष्ट्र पुलिस पूरे मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

महिला परिचारिका अनुपस्थित, नियमों का उल्लंघन

घटना वाले दिन स्वास्थ्य कारणों से महिला परिचारिका अनुपस्थित थी, जिससे सुरक्षा नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। इस संदर्भ में पुलिस ने बस मालिक और स्कूल प्रबंधन को भी नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है। मामले की जांच सहायक पुलिस आयुक्त शैलेश काळे को सौंपी गई है।

उल्हासनगर में 'ग्रीन होली' का शंखनाद

मनपा मुख्यालय के सामने 'फ्रेंडली होलिका' व धूलि वंदन का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका मुख्यालय के सामने पर्यावरण संरक्षण को लेकर 'फ्रेंडली होलिका' और धूलि वंदन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों व कर्मचारियों ने ग्रीन शपथ ली और नागरिकों से पर्यावरण के अनुकूल तरीके से होली मनाने की अपील की गई।

महाराष्ट्र सरकार के पर्यावरण व प्रदूषण विभाग ने 2 और 3 मार्च 2026 को होली और धूलि वंदन को लेकर सभी महानगरपालिकाओं व नगरपालिकाओं को प्रदूषण मुक्त, स्वच्छ और हरित शहर बनाने के लिए जनजागृति अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

मनपा आयुक्त श्रीमती मनीषा अव्हाले और अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवास के मार्गदर्शन में पर्यावरण विभाग द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती अश्विनी कमलेश निकम और उपमहापौर अमर लुंड प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने ग्रीन शपथ लेते हुए कहा कि पृथ्वी पर जीवन भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश जैसे पंचतत्वों पर निर्भर है, इसलिए त्योहारों को उत्साह के साथ मनाते समय प्रकृति को नुकसान न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की योजना उपायुक्त विशाखा मोटघरे, विभागाध्यक्ष विशाखा सावंत, डॉ. दिपाली चौगले सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई।

'हिंद-दी-चादर' समागम के लिए उल्हासनगर तैयार

श्रद्धालुओं के लिए 50 बसें और 4 एम्बुलेंस का इंतजाम, मनपा ने कसी कमर

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत की 350वीं शताब्दी के उपलक्ष्य में खारघर में आयोजित होने वाले भव्य समारोह के मद्देनजर उल्हासनगर महानगरपालिका में 'हिंद-दी-चादर' समागम को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बताया गया कि समागम कार्यक्रम के लिए उल्हासनगर शहर से श्रद्धालुओं को लाने-ले जाने हेतु लगभग 50 बसों की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही एक चिकित्सा दल और 4 एम्बुलेंस भी तैनात की जाएंगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

कार्यक्रम स्थल पर जाने वाले नागरिकों के लिए पीने के पानी और नाश्ते की व्यवस्था की जाएगी। परिवहन प्रबंधन और अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर संबंधित विभागों के बीच विस्तृत चर्चा की गई और आवश्यक निर्देश दिए गए।

जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद

इस बैठक में महापौर अश्विनी कमलेश निकम, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गावस, उप-मंडल अधिकारी विजयानंद शर्मा, तहसीलदार श्रीमती कल्याणी कदम, सहायक आयुक्त व जनसंपर्क अधिकारी अजय साबले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल पडवाल, शिवसेना शहर प्रमुख व नगरसेवक राजेंद्रसिंह भुल्लर महाराज सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

13.5 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, तीन गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

वाशी इलाके में नवी मुंबई पुलिस ने छापा मारकर करीब 13.5 करोड़ रुपए कीमत का 13 किलो मादक पदार्थ जब्त किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थ की बिक्री को लेकर गोपनीय सूचना मिली थी, जिसके आधार पर जाल बिछाकर यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए तीनों आरोपियों के पास से तलाशी के दौरान मादक पदार्थ बरामद हुआ, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में दो पुणे के रहने वाले हैं, जबकि एक उल्हासनगर का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

प्रभाग 15 का निरीक्षण, काम में देरी पर सख्त रुख

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

नागरिकों के स्वास्थ्य और विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उल्हासनगर की आयुक्त मनीषा अव्हाले ने क्रमवार निरीक्षण दौरे शुरू किए हैं। इसी क्रम में उन्होंने अपने अधिकारियों के साथ प्रभाग 15 का दौरा किया। चिकित्सा स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण, टीकाकरण व्यवस्था की समीक्षा और रुके हुए विकास कार्यों का जायजा लेने के बाद आयुक्त ने साफ कहा कि 'काम में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' माना जा रहा है कि इस पहल से उल्हासनगर में प्रशासनिक कार्यों को गति मिली है। आयुक्त और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने केंद्रीय टीका भंडार तथा नगर स्वास्थ्य केंद्र क्रमांक 5 (वीटीसी ग्राउंड) से दौरे की शुरुआत की। यहां टीकाकरण प्रक्रिया, दवाओं के भंडारण, स्टॉक व्यवस्था और नागरिकों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की बारीकी से जांच की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि समय पर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा किसी भी तरह की लापरवाही न हो।

सड़कों और पाइपलाइन कार्यों की गुणवत्ता जांच

इसके बाद आयुक्त ने पार्षदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड 15 में लंबित और चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। वाल्मीकिनगर, बालासाहेब ठाकरे खेल परिसर, गीता कॉलोनी, श्रीरामनगर से सतरामदास अस्पताल तक की सड़क और सूर्या होटल से खडेगोलवली गांवदेवी मंदिर तक की सड़क का जायजा लिया गया। साथ ही सतरामदास अस्पताल से जंगल होटल तक पाइपलाइन और जल निकासी व्यवस्था की गुणवत्ता की भी समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों से संवाद कर शिकायतें सुनी गईं और संबंधित विभाग प्रमुखों को तुरंत काम में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

2.81 करोड़ की चरस जब्त, दो नेपाली समेत 4 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

वर्ली स्थित एंटी-नारकोटिक्स सेल ने एक बड़ी कार्रवाई के तहत 2.81 करोड़ रुपए मूल्य की चरस जब्त की है। इस ऑपरेशन में चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें दो नेपाली नागरिक और दो स्थानीय मुंबईवासी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि, शुरुआत में दो आरोपियों को पकड़ा गया, जिनके कब्जे से 1.715 किलोग्राम चरस और 52 हजार रुपए नकद मिले। इसके बाद की जांच और छापेमारी में 26 फरवरी 2026 को लोअर लिंक इलाके से 31 वर्षीय एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई के दौरान पकड़े गए ड्रग तस्कर के कब्जे से 1.103 किलोग्राम चरस और 55 हजार रुपए नकद बरामद हुए। इसके बाद 27 फरवरी 2026 को एक 28 वर्षीय महिला को भी गिरफ्तार किया गया, जो कथित तौर पर मुख्य आरोपी के आर्थिक लेन-देन में मदद कर रही थी। गिरफ्तार आरोपियों में मुंबई के विले पार्ले वेस्ट निवासी आबिद और उनकी पत्नी शामिल हैं, साथ ही नेपाल के दो नागरिक दीपक लांबा और उनके एक साथी को भी हिरासत में लिया गया। इस ऑपरेशन में कुल 2.818 किलोग्राम चरस जब्त हुई है।

नकल पर सख्त प्रहार, 107 केंद्रों की मान्यता रद्द

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

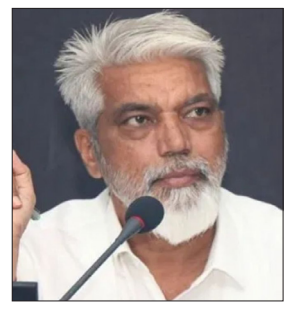

महाराष्ट्र में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने के लिए सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाया है। कदाचार और नकल की शिकायतों के बाद राज्य भर में कुल 107 परीक्षा केंद्रों की मान्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शुक्रवार को विधानसभा के प्रश्नकाल में स्कूल शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने बताया कि फरवरी–मार्च 2026 की बोर्ड परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए 'नकल-मुक्त परीक्षा अभियान' शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए इस बार निगरानी और कार्रवाई दोनों को और कड़ा किया गया है।

मंत्री द्वारा दी गई लिखित जानकारी के अनुसार, 13 जनवरी के आसपास कुछ परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की रिपोर्ट मिली थी। गहन समीक्षा के बाद कक्षा 10 के 31 और कक्षा 12 के 76 परीक्षा केंद्रों की मान्यता रद्द की गई। शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई से उन संस्थानों में हड़कंप मच गया है, जो नियमों की अनदेखी कर रहे थे।

परीक्षा को फुलप्रूफ बनाने के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य किए गए हैं। जिन केंद्रों पर यह सुविधा नहीं है, वहां के अधीक्षकों और कर्मचारियों को बदल दिया गया है। 'संवेदनशील' केंद्रों पर विशेष पथक तैनात किए गए हैं और ड्रोन से निगरानी की व्यवस्था भी की गई है। जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता समितियां गठित की गई हैं।

गैर-जमानती केस का प्रावधान

सरकार ने चेतावनी दी है कि नकल करने या करवाने वालों पर महाराष्ट्र कदाचार रोकथाम अधिनियम के तहत संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध दर्ज किया जाएगा। यह कानून न केवल छात्रों, बल्कि कदाचार को बढ़ावा देने वाले बाहरी लोगों और परीक्षा केंद्र के कर्मचारियों पर भी लागू होगा। इस अभियान का उद्देश्य राज्य की शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को मजबूत करना और छात्रों को केवल मेहनत के बल पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

मुख्यमंत्री से मिले रोहित पवार, सौंपे सबूत

बारामती एयरपोर्ट का नाम 'अजित दादा' के नाम पर किए जाने की मांग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के विमान हादसे की जांच की मांग को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के विधायक रोहित पवार ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जांच से जुड़े कई दस्तावेज और एक ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा।

राज ठाकरे से भी की थी मुलाकात

मुख्यमंत्री से मिलने से पहले रोहित पवार ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अध्यक्ष राज ठाकरे से भी मुलाकात की थी और उन्हें हादसे से जुड़े दस्तावेज दिखाए थे। इस बैठक के बाद राज ठाकरे ने कहा कि रोहित पवार की बातों में तथ्य नजर आते हैं और इस मामले की गंभीर जांच जरूरी है।

20 मिनट की चर्चा, निष्पक्ष जांच की मांग

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद रोहित पवार ने बताया कि दोनों के बीच करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। उन्होंने अजीत पवार के विमान हादसे की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की और संबंधित कागजात सौंपे। साथ ही देवगिरी बंगले में अजीत पवार के लिए स्मारक बनाने और बारामती एयरपोर्ट का नाम उनके नाम पर रखने का भी प्रस्ताव रखा गया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

एफआईआर न दर्ज होने पर उठे सवाल

राज ठाकरे ने यह भी कहा कि हादसा कोहरे की वजह से हुआ या किसी साजिश के तहत, इसकी छानबीन होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि रोहित पवार ने इस संबंध में तीन बार एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन मामला दर्ज नहीं किया गया, जिससे संदेह और गहरा हो गया है।

सरकार ने केंद्र को लिखा पत्र

उल्लेखनीय है कि 28 जनवरी को बारामती में हुए विमान हादसे में अजीत पवार की मौत हो गई थी। इसके बाद से मामले की जांच जारी है। राज्य सरकार ने इस हादसे की छानबीन के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी पत्र लिखकर जांच कराने का अनुरोध किया है।

विदेशी महिला से छेड़छाड़

वीडियो वायरल होने पर एक्शन में आई पुलिस

दो संदिग्धों की तलाश जारी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एक विदेशी महिला यात्री के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दो लोगों पर आरोप लगाए हैं। मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने दोनों संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना दक्षिण मुंबई में हुई, जहां दो अज्ञात व्यक्तियों पर कथित तौर पर महिला का पीछा करने और बार-बार मना करने के बावजूद तस्वीरें लेने का प्रयास करने का आरोप है। पीड़िता की पहचान इनस फरीया के रूप में हुई है, जो एक यूट्यूबर हैं। फरीया पिछले दो महीनों से भारत की यात्रा कर रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट में बताया कि भारत में उनका अधिकांश अनुभव सुखद और स्वागतपूर्ण रहा है, लेकिन यह घटना अलग थी।

15 मिनट तक पीछा करते रहे दोनों शख्स

फरीया के अनुसार, दोनों संदिग्धों ने लगभग 15 मिनट तक उनका पीछा किया और बार-बार 'ना' कहने के बावजूद सेल्फी लेने पर अड़े रहे। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें असहज महसूस हुआ और वे काफी आक्रामक थे। एक समय तो उन्हें जगह बनाने के लिए शारीरिक रूप से उन्हें दूर धकेलना पड़ा।

संदिग्धों की तलाश में जुटी पुलिस

मुंबई पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि स्थानीय पुलिस और उप पुलिस आयुक्त (जोन 3) ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि संदिग्धों की तलाश जारी है और उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस वर्तमान में संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए काम कर रही है।

सोशल मीडिया पर लोगों ने जताया गुस्सा

महिला की ओर से साझा किया गया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो पर लोगों की बड़ी संख्या में प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोगों ने महिला के अनुभव के प्रति सहानुभूति व्यक्त की है और पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। यह घटना भारत में पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है।

साकीनाका पुलिस ने खोला बाइक चोरी रैकेट

23.89 लाख रुपये की 11 बाइकें बरामद

मुंबई। मुंबई में महंगी बुलेट और स्पोर्ट्स बाइकों को निशाना बनाने वाले एक शातिर गिरोह का साकीनाका पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लगभग 23.89 लाख रुपये कीमत की 11 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। जांच में सामने आया है कि इन आरोपियों के खिलाफ मुंबई के विभिन्न थानों में कुल 15 मामले दर्ज हैं।

मामले की शुरुआत 22 नवंबर 2025 की रात हुई, जब अंधेरी–घाटकोपर लिंक रोड पर बिलाल मस्जिद के सामने खड़ी एक रॉयल एनफील्ड 650 बाइक चोरी हो गई। बाइक हैंडल लॉक कर खड़ी की गई थी, लेकिन रात 10:45 बजे से सुबह 6:30 बजे के बीच अज्ञात चोर उसे लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर साकीनाका थाने में BNS की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया।

तकनीकी जांच से मिला अहम सुराग

मामले की जांच मोटर वाहन चोरी रोधी दस्ते और क्राइम ब्रांच ने संयुक्त रूप से शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने मिराज उर्फ 'बावल' मोहम्मद रईस खान (26) को गिरफ्तार किया।

चोरी की बाइकों की खरीद-फरोख्त का नेटवर्क

जांच में खुलासा हुआ कि मिराज महंगी स्पोर्ट्स बाइकों की चोरी करता था और उन्हें उमर को बेच देता था, जबकि उमर आगे उन्हें ठिकाने लगाता था। उमर के कब्जे से रॉयल एनफील्ड और यामहा कंपनी की कुल 11 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं, जिनकी कुल कीमत करीब 23 .89 लाख रुपये आंकी गई है।

पीएसआई ने महिला के साथ किया दुष्कर्म

मुंबई। धारावी पुलिस स्टेशन से जुड़ा यह मामला मुंबई पुलिस की छवि पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आरोप है कि यहां तैनात रहे पुलिस सब-इंस्पेक्टर राहुल भोसले ने मदद मांगने आई महिला से पहले दोस्ती बढ़ाई और फिर पद का दबाव दिखाकर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया। पीड़िता लंबे समय तक सामाजिक बदनामी और पुलिसिया दबाव के डर से चुप रही, लेकिन आरोपी का दुस्साहस बढ़ता गया और मानसिक उत्पीड़न भी जारी रहा। आरोपी का तबादला जब धारावी से ताड़देव थाने किया गया, तब भी उसने महिला का पीछा नहीं छोड़ा और लगातार फोन कर मिलने व जबरन संबंध बनाने का दबाव बनाता रहा। आखिरकार पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर लिखित शिकायत दर्ज कराई।

नकली फूलों पर सरकार का शिकंजा, डेकोरेटर्स पर होगी कार्रवाई

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार प्लास्टिक से बने कृत्रिम फूलों के उपयोग पर सख्त रोक लगाने की तैयारी कर रही है और इसके लिए जल्द ही एक सरकारी निर्णय (GR) जारी किया जाएगा। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि मंगल कार्यालयों (मैरिज हॉल) और डेकोरेशन व्यवसाय करने वालों द्वारा नकली फूलों के इस्तेमाल पर भी कार्रवाई की जाएगी। विधायक जयंत पाटिल ने बताया कि कृत्रिम फूलों के बढ़ते चलन से प्राकृतिक फूल उगाने वाले किसान, खासकर कोल्हापुर के ग्रीनहाउस किसान, आर्थिक संकट में हैं। वहीं भाजपा विधायक विक्रम पाचपुते ने नकली फूलों में प्रयुक्त टॉक्सिक रंगों और नैनो पार्टिकल्स से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव का मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि ये फूल बायोडिग्रेडेबल नहीं होते और पर्यावरण के लिए खतरा हैं।

शिवसेना यूबीटी का मराठी भाषा प्रेम सिर्फ दिखावटी : नवनाथ बन

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नवनाथ बन ने शुक्रवार को कहा कि शिवसेना यूबीटी का मराठी भाषा प्रेम केवल दिखावटी है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवसेना यूबीटी सिर्फ मराठी भाषा गौरव दिवस पर 'जय-जयकार' करती है, लेकिन जमीन पर भाषा के लिए कोई ठोस काम नहीं किया गया।

फडणवीस और मोदी के प्रयासों का दावा

मुंबई स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नवनाथ बन ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रयासों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मराठी भाषा को सम्मान और अभिजात भाषा का दर्जा मिला। उन्होंने कहा कि त्रिभाषा सूत्र में मराठी को नजरअंदाज नहीं किया गया है और पहली कक्षा से हिंदी की अनिवार्यता हटाकर महाराष्ट्र में मराठी को अनिवार्य किया गया। साथ ही हिंदी को वैकल्पिक भाषा के रूप में मान्यता देने का निर्णय भी फडणवीस सरकार ने लिया। उन्होंने दावा किया कि उनके नेतृत्व में पहली बार मराठी भाषा के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
एसी कोचों में लिनन वितरण परिचर

निविदा सूचना क्रमांक: GEM/2026/B/7285174 dated 26.02.2026. मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर के व्दारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त प्रतिष्ठानों/ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम स्थान सहित :** सोलापुर डिवीजन के सोलापुर और कलबुर्गी कोचिंग डिपो की प्राथमिक अनुरक्षित ट्रेनों के एसी कोचों में लिनन वितरण परिचर के लिए अनुबंध कार्य। **निविदा कार्य पध्दती:** दो पॅकेट सिस्टम. **कार्य की औसत लागत:** ₹ 3,95,18,815.84/-. **निविदा प्रपत्र मुल्य:** Nil. **कार्यालय का पत्ता जहां से निविदा प्रपत्र खरीदे जा सकते है।** मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर. **जमा करने योग्य बयाना रकम:** ₹ 3,47,600/-. **कार्य का समापन अवधी:** एक वर्ष आठ महीना कार्य की प्रारंभ की तिथी से। **निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथी एवं समय: 20.03.2026 at 12.00 hrs. निविदा बक्सा खुलने की तिथी एवं समय: 20.03.2026 at 12.30 hrs.** वेबसाईट विवरण एवं सूचना बोर्ड लोकेशन जहां से निविदा के संपुर्ण विवरण देखे जा सकते है: **www.GeM.gov.in**

Akar/Sur-12 वरिष्ठ मंडल यांत्रिक सोलापुर

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मराठी बनेगी रोज़गार की भाषा : शिंदे

मुंबई। मराठी भाषा गौरव दिवस के मौके पर महाराष्ट्र विधानमंडल में आयोजित 'जावे विनोदाच्या गावा' कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक महत्वपूर्ण विजन पेश किया। उन्होंने साफ किया कि मराठी सिर्फ गौरवशाली इतिहास की भाषा नहीं है, बल्कि यह भविष्य की 'प्रगति की भाषा' बनेगी। सरकार अब इसे केवल कविताओं और नाटकों तक सीमित न रखकर बाजार, तकनीक और नौकरियों से जोड़ने की तैयारी में है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बहुत पते की बात कही कि भाषा तभी बचती है जब वह पेट की आग बुझाने के काम आए। उन्होंने प्रतिबद्धता जताई कि राज्य सरकार मराठी को रोजगार, अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्तर की भाषा बनाने के लिए काम कर रही है। मकसद यह है कि युवा मराठी बोलकर और पढ़कर सिर्फ गर्व न करें, बल्कि दुनिया के किसी भी कोने में व्यापार और नौकरी भी कर सकें। शिंदे ने ज्ञानपीठ विजेता कवि कुसुमाग्रज (वी.वी. शिरवाडकर) के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने याद दिलाया कि मराठी की नींव संतों, साहित्यकारों और शिक्षकों ने अपने खून-पसीने से सींची है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब सरकार सरकारी कामकाज और प्रशासन में मराठी के शत-प्रतिशत उपयोग को सख्ती से लागू कर रही है।

तकनीक और अनुवाद पर फोकस

डिजिटल युग की चुनौतियों को समझते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर मराठी का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। सरकार की योजना है कि उत्तम मराठी साहित्य का दुनिया की अन्य भाषाओं में अनुवाद (Translation) कराया जाए ताकि विश्व स्तर पर लोग हमारी संस्कृति को जान सकें। साथ ही, तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में भी मराठी के नए 'सॉफ्टवेयर' और 'टर्म्स' विकसित किए जा रहे हैं। शिंदे ने मराठी की क्षेत्रीय विविधताओं की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि खानदेशी, मालवणी, कोकणी और व *हाडी जैसी बोलियां मराठी भाषा की असली जान हैं। ये बोलियां इसे विविधता और मजबूती देती हैं। कार्यक्रम के दौरान मराठी की समृद्ध हास्य परंपरा को याद करते हुए आचार्य अत्रे और पु. ल. देशपांडे जैसे दिग्गजों को भी श्रद्धांजलि दी गई। इस विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार सहित प्रशासन के बड़े चेहरे मौजूद थे।

लाडली से तिजोरी की हालत पतली बवाल के बाद नाईक का यू-टर्न

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद में शुक्रवार को उस समय असहज स्थिति बन गई जब वन मंत्री गणेश नाईक ने 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीन' योजना को लेकर स्वीकार किया कि इससे अन्य विभागों पर आर्थिक दबाव पड़ रहा है, हालांकि बाद में उन्होंने अपने बयान से यू-टर्न लेते हुए कहा कि योजना किसी भी हाल में बंद नहीं होगी। कांग्रेस सदस्य सतेज पाटील ने कोल्हापुर जिले के शाहुवाडी, राधानगरी और गगनबावडा क्षेत्रों की जंगल बस्तियों की दुर्दशा का मुद्दा उठाते हुए सड़क सुविधा की मांग की थी, जिस पर जवाब देते हुए नाईक के मुंह से 'अन्याय' वाली टिप्पणी निकल गई। बाद में उन्होंने बताया कि वन विभाग के पास लगभग 12 हजार करोड़ रुपये की सागवान संपत्ति है, जिसके आधार पर 6 हजार करोड़ रुपये का ऋण लेने का प्रस्ताव तैयार किया गया है ताकि वेतन, पर्यटन विकास, बुनियादी सुविधाएं, धनगरवाड़ों तक सड़क निर्माण और बाघ परियोजना क्षेत्रों से मानव बस्तियों के पुनर्वास जैसे कार्य किए जा सकें, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष भी कम होगा।

मध्य रेल
एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट

खुली निविदा सूचना स.: BB.LD. 583. P. Rev.25/24.Cont. दिनांक 24.02.2026. कार्य का नाम: मुंबई डिवीजन के कुर्ला, पनवेल और जुईनगर जिले के 25 केवी टीएसएस / एसपी / एसएसपी में सुरक्षा योजनाओं के नियंत्रण और रिले पैनल (ASHIDA निर्मित) के लिए दो वर्षों का एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट। **अनुमानित लागत:** रु. 2,05,62,979.78. **बिड सिक्योरिटी:** रु. 2,52,800/-. **ऑफर की वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 24 महीने। **निविदा फार्म का मूल्य:** रु. 0/-. **I) उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय: दिनांक 18.03.2026 को 11:00 बजे तक, और 11:00 बजे के बाद खोला जाएगा। II)** शुध्दिपत्रक के विवरण हेतु अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। **III)** केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्टॉनिकलि ई-टेन्डर में निविदाधारक सहभाग ले सकते है और ई-टेन्डर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन देने की अनुमति नही है। हस्तचलित रूप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नही किया जाएगा। **IV)** निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। **V)** अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क : वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्सभवन, सीएसएम टी मुंबई - 400001 | फोन - 022-22612355. निवीदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएम टी मुंबई - 400001 के "नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है।

AK-938

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/2026/9006 सहकार कक्ष, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई
जा.क्र.: झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-1/टे.सी.4/सन 2026 दिनांक: 27/02/2026

लॉटरी पद्धति द्वारा आवासीय फ्लैटों के आवंटन की सूचना

साईनाथ एस.आर.ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, भूखंड क्र. 163 ए/2 (भाग), ग्राम आकुर्ली, हनुमान नगर, आकुर्ली रोड, वीर तानाजी नगर, कांदिवली (पूर्व), मुंबई – 400101 की स्वीकृत परिशिष्ट-2 एवं पूरक परिशिष्ट-2 में पात्र घोषित झोपड़ीधारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि माननीय सहायक निबंधक, सहकारी संस्थाएं (पूर्व एवं पश्चिम उपनगर), झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई के दिनांक 20/02/2026 के पत्र तथा प्राधिकरण के परिपत्रक क्रमांक 162 दिनांक 23/10/2015 के अनुसार कुल 197 पात्र झोपड़ीधारकों को पुनर्वसन भवन में आवासीय फ्लैटों का लॉटरी (सोडत) पद्धति से आवंटन करने हेतु अधोहस्ताक्षरी को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है।

उक्त संस्था की पुनर्वसन इमारत में आवासीय फ्लैटों की लॉटरी का कार्यक्रम गुरुवार दिनांक 05/03/2026 सायं 05:00 बजे प्राधिकरण कार्यालय में लॉटरी अलॉटमेंट पोर्टल सर्वर पर ऑनलाइन, जूम ऐप के माध्यम से आयोजित किया गया है।

विषय: झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण के परिपत्रक क्रमांक 162 के अनुसार ऑनलाइन जूम ऐप के माध्यम से पुनर्वसन इमारत में कुल 197 आवासीय फ्लैटों का लॉटरी पद्धति से आवंटन।

Meeting ID: **865 9038 5847**
Passcode: **123456**
स्थान: मुंबई
दिनांक: 27/02/2026

हस्ता/-
(अरुण जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी-1
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई।

टिप्पणी:
1) लॉटरी हेतु पात्र (पति/पत्नी) झोपड़ीधारक ही निर्धारित तिथि एवं समय पर ऑनलाइन लॉटरी में भाग लें।
2) जिन झोपड़ीधारकों के नाम परिशिष्ट-2 में पात्र हैं तथा जो अंध, दिव्यांग, विधवा महिला या परिवार प्रमुख हैं, वे पुनर्वसन इमारत में भूतल (निचली मंजिल) पर फ्लैट हेतु अपनी लिखित मांग **दिनांक 04/03/2026** तक **sravcmumbai@gmail.com** पर ईमेल द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं। संबंधित व्यक्तियों को शासन मान्यता प्राप्त अंधत्व, दिव्यांगता या विधवा होने का प्रमाणपत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। विधवा झोपड़ीधारकों को पति का मृत्यु प्रमाणपत्र भी आवेदन के साथ संलग्न करना आवश्यक है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

खाता : प्रमुख अभियंता (यांत्रिकी व विद्युत

क्र. का. अ. यां.(द)/7221/या. व. वि. दिनांक : 27 फरवरी 2026

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा नीचे उल्लिखित कार्य हेतु इच्छुक निविदाकारों से ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा वितरण/विक्रय की तिथि एवं समय, तथा निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय का विस्तृत विवरण बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महाटेंडर पोर्टल http://mahatenders.gov.in पर "निविदा अवलोकन" अनुभाग में प्रकाशित/अपलोड किया गया है।

क्र.	निविदा क्रमांक	निविदा का विषय
1	2026_MCGM_1282468_1	महानगरपालिका मुद्रणालय में विभिन्न प्रकार के नवीनीकरण एवं मरम्मत कार्य करना।

निविदा संबंधी अधिक जानकारी के लिए इच्छुक निविदाकार बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट **http://portal.mcgm.gov.in** तथा महाटेंडर पोर्टल **http://mahatenders.gov.in** पर अवश्य देखें।

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता
(यांत्रिकी) (दक्षिण)

पीआरओ/3152/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ठोस कचरा प्रबंधन परिवहन (सिटी) विभाग

पत्र क्र.: EETR/C/5463/SWM दिनांक: 26/02/2026

ई-निविदा सूचना

विभाग	मुख्य अभियंता (SWM)
उप-विभाग	उप मुख्य अभियंता (SWM) परिवहन / कार्यकारी अभियंता परिवहन (सिटी)
विषय	जोन–1 के अंतर्गत विभिन्न वार्डों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आवश्यकता अनुसार (As and When Required Basis) एक्स्कावेटर लोडर (JCB) मशीन किराये पर लेने के संबंध में। निविदा क्रमांक: 2026_MCGM_1281795
निविदा प्रारंभ दिनांक व समय	28.02.2026
निविदा समाप्ति दिनांक व समय	05.03.2026
वेबसाइट	https://mahatenders.gov.in/
ईमेल	eetrcity@gmail.com

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (परिवहन) (सिटी)

पीआरओ/3141/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

लोकतांत्रिक व्यवस्था : अंतिम शब्द अदालत का

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति प्रकरण में बरी किया जाना केवल एक व्यक्ति की कानूनी राहत भर नहीं है, बल्कि यह निर्णय हमारे आपराधिक न्याय तंत्र की मूल आत्मा को रेखांकित करता है। अदालत ने अपने विस्तृत आदेश में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों के समर्थन में ऐसे ठोस और विश्वसनीय प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका, जिनके आधार पर आपराधिक साजिश या भ्रष्ट मनसा सिद्ध की जा सके। अदालत का पहला और सबसे महत्वपूर्ण आधार यही रहा कि गंभीर आरोपों के लिए उतने ही गंभीर और ठोस प्रमाण अपेक्षित होते हैं। केवल आशंका, अनुमान या कथनों के सहारे किसी जनप्रतिनिधि को अपराधी नहीं ठहराया जा सकता। न्यायालय ने पाया कि प्रस्तुत दस्तावेजों और गवाहियों में आपसी संगति का अभाव था। कुछ बयानों पर अत्यधिक निर्भरता दिखाई दी, परंतु उन बयानों की पुष्टि स्वतंत्र साक्ष्यों से नहीं हो सकी। इस प्रकार, आरोपों की बुनियाद ही न्यायिक कसौटी पर टिक नहीं पाई। अदालत ने यह भी कहा कि किसी नीति निर्णय को आपराधिक साजिश सिद्ध करने के लिए यह दिखाना अनिवार्य है कि उसमें स्पष्ट रूप से अवैध लाभ पहुंचाने की मंशा और संगठित प्रयास था। इस प्रकरण में न्यायालय को ऐसा कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला जिससे यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि नीति निर्माण के पीछे भ्रष्ट उद्देश्य था। प्रशासनिक निर्णयों में मतभेद या नीतिगत त्रुटियां संभव हैं, परंतु हर त्रुटि अपराध नहीं होती। यह अंतर रेखांकित करना न्यायालय ने आवश्यक समझा। विशेष उल्लेखनीय यह रहा कि अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दायर आरोपपत्र की भी समीक्षा की और कहा कि उसमें आरोपों को सिद्ध करने योग्य पर्याप्त सामग्री का अभाव है। यदि जांच एजेंसी ठोस, पुष्ट और निरपेक्ष प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाती, तो न्यायालय केवल आरोपों की गंभीरता देखकर मुकदमा आगे नहीं बढ़ा सकता। यह टिप्पणी केवल इस प्रकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समूची जांच प्रक्रिया के लिए एक संकेत है कि कानून की प्रक्रिया में शुचिता और सटीकता अनिवार्य है। इस निर्णय का व्यापक संदेश यह है कि न्यायालय किसी भी प्रकार के जनदबाव या राजनीतिक विमर्श से परे रहकर केवल विधिक मानकों के आधार पर निर्णय देता है। लोकतंत्र में आरोप लगाना सरल है, परंतु उन्हें सिद्ध करना कठिन और उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि व्यक्ति की प्रतिष्ठा और स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करना भी न्याय का उतना ही महत्वपूर्ण पक्ष है जितना अपराध को दंडित करना। यह फैसला राजनीतिक दृष्टि से भी दूरगामी प्रभाव रखता है। एक ओर यह संबंधित पक्ष को नैतिक बल प्रदान करता है, तो दूसरी ओर जांच एजेंसियों और राजनीतिक दलों दोनों के लिए आत्ममंथन का अवसर भी प्रस्तुत करता है। यदि आरोप सिद्ध नहीं हो सके, तो यह विचार करना होगा कि जांच में कहां कमी रह गई। लोकतंत्र की सुदृढ़ता इसी में है कि संस्थाएं अपनी सीमाओं और दायित्वों का सम्मान करें। अंततः, अदालत का यह निर्णय न्याय के उस सिद्धांत की पुनर्पुष्टि है कि संदेह का लाभ अभियुक्त को मिलता है और अपराध सिद्ध होने तक हर व्यक्ति निर्दोष माना जाता है। यह केवल एक कानूनी वाक्य नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता का आधार है। राउज एवेन्यू कोर्ट का आदेश हमें याद दिलाता है कि न्याय की राह में प्रमाण सर्वोपरि हैं, और कानून की दृष्टि में कोई भी व्यक्ति आरोपों के बोझ से नहीं, बल्कि प्रमाणों की कसौटी से आंका जाता है।

सीएसआर : विकास, जिम्मेदारी और विश्वास का सेतु

सुजाता मुरकर
सोशल वर्कर हैं और सीएसआर के अंतर्गत फंड रेज़िंग का लंबा अनुभव है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में अब भी व्यापक अंतर दिखाई देता है। ग्रामीण और शहरी भारत के बीच अवसरों की खाई कम नहीं हुई है। ऐसे में सीएसआर वह माध्यम बन सकता है जो उद्योगों की आर्थिक शक्ति को सामाजिक परिवर्तन की दिशा में मोड़ दे। जब कंपनियां विद्यालयों का निर्माण करती हैं, छात्रवृत्तियां प्रदान करती हैं।

आज का उद्योग केवल उत्पादन और लाभ कमाने तक सीमित नहीं रह सकता। जिस समाज, संसाधन और श्रमशक्ति के सहारे कंपनियां आगे बढ़ती हैं, उसी समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी भी बनती है। यही सोच कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व, अर्थात सीएसआर, की मूल भावना है। यह केवल दान की परंपरा नहीं, बल्कि संगठित, योजनाबद्ध और उत्तरदायी सामाजिक भागीदारी की व्यवस्था है, जो विकास को व्यापक और समावेशी बनाती है। भारत में सीएसआर को कानूनी स्वरूप तब मिला जब भारतीय संसद ने कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत निश्चित कंपनियों के लिए अपने औसत शुद्ध लाभ का कम से कम दो प्रतिशत सामाजिक कार्यों पर व्यय करना अनिवार्य किया। यह प्रावधान विश्व स्तर पर भी एक अनोखा उदाहरण माना जाता है, क्योंकि यहां सामाजिक दायित्व को केवल नैतिक आग्रह नहीं, बल्कि विधिक दायित्व बनाया गया। इसका उद्देश्य स्पष्ट था — आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक न्याय और संतुलन सुनिश्चित करना। देश जैसे विशाल और विविधतापूर्ण समाज में विकास की चुनौतियां अनेक हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में अब भी व्यापक अंतर दिखाई देता है। ग्रामीण और शहरी भारत के बीच अवसरों की खाई कम नहीं हुई है। ऐसे में सीएसआर वह माध्यम बन सकता है जो उद्योगों की आर्थिक शक्ति को सामाजिक परिवर्तन की दिशा में मोड़ दे। जब कंपनियां विद्यालयों का निर्माण करती हैं, छात्रवृत्तियां प्रदान करती हैं, अस्पतालों और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों को सहयोग देती हैं या युवाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करती हैं, तो वे केवल सहायता नहीं करतीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की नींव रखती हैं। पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। औद्योगिक विस्तार के साथ प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं गंभीर हुई हैं। सीएसआर के माध्यम से जल संरक्षण, वृक्षारोपण, अपशिष्ट प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जा सकता है। यह न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है, बल्कि कंपनियों की दीर्घकालिक स्थिरता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित करता है। भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों का संरक्षण भी उद्योग की जिम्मेदारी है। सीएसआर का एक महत्वपूर्ण पक्ष विश्वास निर्माण है। समाज और उद्योग के बीच जो दूरी कभी-कभी

अविश्वास में बदल जाती है, उसे पाटने का कार्य सीएसआर करता है।

जब स्थानीय समुदाय यह देखता है कि कंपनी उनके गांव, स्कूल या स्वास्थ्य केंद्र के विकास में योगदान दे रही है, तो उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनता है। यह सामाजिक पूंजी किसी भी आर्थिक पूंजी से कम महत्वपूर्ण नहीं होती। भारत में कई कंपनियों ने इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। टाटा समूह ने शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास में दीर्घकालिक परियोजनाओं के माध्यम से समाज में गहरी छाप छोड़ी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने स्वास्थ्य सेवाओं, खेल और आपदा राहत के क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाई है। इन्फोसिस ने डिजिटल शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों के जरिए युवाओं को नए अवसर प्रदान किए हैं। ये उदाहरण बताते हैं कि जब उद्योग अपनी सामाजिक भूमिका को गंभीरता से लेते हैं, तो व्यापक परिवर्तन संभव है। हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं हैं।

कई बार सीएसआर गतिविधियां औपचारिकता बनकर रह जाती हैं। वर्ष के अंत में निर्धारित राशि खर्च करना ही उद्देश्य बन जाता है, जबकि दीर्घकालिक प्रभाव और स्थिरता पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। कुछ परियोजनाएं स्थानीय जरूरतों के अनुरूप नहीं होतीं, जिससे उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि सीएसआर योजनाएं समुदाय की भागीदारी से तैयार की जाएं और उनकी नियमित समीक्षा हो। पारदर्शिता और जवाबदेही सीएसआर की सफलता के मूल स्तंभ हैं। कंपनियों को यह स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि उन्होंने किस क्षेत्र में कितना निवेश किया और उससे क्या परिणाम निकले। सामाजिक लेखा परीक्षण और सार्वजनिक रिपोर्टिंग से विश्वास बढ़ता है और अन्य संस्थाएं भी प्रेरित होती हैं। तकनीक के उपयोग से निगरानी और मूल्यांकन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। अंततः, सीएसआर विकास, जिम्मेदारी और विश्वास का वह सेतु है जो लाभ और लोकहित को जोड़ता है। यह केवल आर्थिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक साझेदारी का सशक्त माध्यम है। जब उद्योग अपने आसपास के समाज को मजबूत बनाता है, तभी उसकी अपनी नींव भी सुदृढ़ होती है। समावेशी और संतुलित विकास की दिशा में सीएसआर की भूमिका आज पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। यदि इसे दूरदर्शिता, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत के सामाजिक परिवर्तन की एक सशक्त धुरी बन सकता है।

हमारी गीता

धर्मराज के पक्ष का दिव्य शंखनाद

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

पाञ्चजन्यं हृषीकेशौ देवदत्तं धनञ्जयः।
पौण्ड्रं दध्मौ महाशङ्खं भीमकर्मा वृकोदरः॥

पांडवों की सेना में प्रत्येक शंख का नाम प्रसिध्द है, परंतु कौरवों का एक भी शंख का नाम प्रसिध्द नही। हमने देखा कि किसने कौनसा शंख बजाया। यह बताते हुए संजय भगवान श्रीकृष्ण को हृषीकेश कहते है। हृषीक अर्थात इंद्रिय, और जो इंद्रियों के स्वामी, प्रेरक है वही हृषीकेश है। अर्जून को धनंजय कहा है। अर्जून ने दिग्विजय किया था और अनेक राजाओं का धन जीतकर लाया था, इसलिए वह सदैव अजेय है। भीम को भीमकर्मा और वृकोदर कहा गया है। जिसने हिडिंबासुर जैसे राक्षस का वध किया, जो अत्यंत बलशाली है, जो बहुत अन्न पचा सकता है, वही वृकोदर है। युधिष्ठिर को विशेष रूप से कुन्तीपुत्र कहा है। कुन्ती ने बडी तपस्या और धर्म की आराधना से युधिष्ठिर को प्राप्त किया था। उन्हें राजा भी कहा गया, क्योंकि राजसूय यज्ञ उन्होंने किया था। वे धर्मराज है, स्थिर है, युध्द में भाग लेकर विचलित न होने वाले है। जिस पक्ष में इंद्रियों के प्रेरक श्रीकृष्ण, दिग्विजयी और अजेय धनंजय, अति

पराक्रमी और बलशाली भीम, तथा स्थिर और धर्मनिष्ठ युधिष्ठिर है, उसी पक्ष की विजय निश्चित है। धर्म, सत्य, प्रयत्न, बल और पराक्रम जैसे मूल्यों की ही विजय होती है, केवल सत्ता और पैसे की नही। पांच पांडवों के साथ महाधनुर्धर काशीराज, अपराजित सात्यकी, विराट, शिखंडी, धृष्टद्युम्न, द्रौपदी के पुत्र और अभिमन्यु जैसे अनेक महारथियों ने अपने-अपने शंख बजाए। उस ध्वनि ने आकाश और पृथ्वी को हिला दिया। कौरवों के हृदय विदीर्ण हो गये। धार्तराष्ट्रों की सेना की भीषण शंखध्वनि भी पांडवों को विचलित न कर सकी, परंतु पांडवों के शंखनाद ने कौरवों के हृदय में भय उत्पन्न कर दिया। दुर्योधन के पक्ष में बहुत सा सैन्य डरा-धमकाकर युध्द में लाया गया था।

शख्सियत

ब्रायन जोन्स

रॉक संगीत के नवाचारी प्रवर्तक

ब्रायन जोन्स का जन्म 28 फरवरी, 1942 को इंग्लैंड के चेल्टनहैम में हुआ था। वे केवल एक संगीतकार नहीं, बल्कि एक 'मल्टी-इंस्ट्रूमेंटलिस्ट' थे।

जिन्होंने रॉक संगीत की पारंपरिक सीमाओं को तोड़कर उसमें नए प्रयोग किए। उन्होंने ही विश्व प्रसिद्ध बैंड 'द रोलिंग स्टोन्स' की नींव रखी और उसे शुरुआती पहचान दिलाई। अपनी प्रतिभा के दम पर उन्होंने गिटार के अलावा सितार, मेलोरोन और हारमोनिका जैसे वाद्ययंत्रों को रॉक संगीत में शामिल किया। उनका निधन 3 जुलाई, 1969 को 27 वर्ष की अल्पायु में हुआ। ₹संगीत केवल कानों के लिए ध्वनि नहीं, बल्कि आत्मा की अभिव्यक्ति है। एक कलाकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती खुद को बार-बार नए रूप में ढालना है। इंसान को अपने अतीत से सीखना चाहिए, लेकिन उसमें जीना नहीं चाहिए। रचनात्मकता के लिए मानसिक स्वतंत्रता अनिवार्य है। यदि आप वही कर रहे हैं जो सब कर रहे हैं, तो आप कलाकार नहीं, केवल एक अनुयायी हैं। सच्चा संगीत वह है जो सीमाओं को पार कर जाए और दिलों को जोड़ दे। हारमोनिका की एक धुन कभी-कभी हज़ार शब्दों से ज्यादा प्रभावशाली होती है। सफलता का रास्ता अक्सर उन रास्तों से होकर गुजरता है जिन्हें दूसरों ने कभी नहीं चुना। प्रयोग करने का साहस ही एक साधारण संगीतकार को महान बनाता है। मैंने कभी प्रसिद्धि के लिए गिटार नहीं उठाया, मैंने इसे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए चुना। रॉक एंड रोल केवल शोर नहीं, बल्कि एक क्रांति है। हर वाद्ययंत्र की अपनी एक अलग भाषा होती है, हमें बस उसे सुनने का धैर्य चाहिए। भविष्य उन लोगों का है जो अपनी कला में ईमानदारी रखते हैं। दुनिया आपको अपनी शर्तों पर चलाने की कोशिश करेगी, लेकिन आपको अपनी धुन खुद बनानी होगी। उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा हैं, महत्वपूर्ण यह है कि आप अपनी लय न खोएं। एक बैंड केवल वाद्ययंत्र बजाने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि एक साझा सपने की उपज है। नवीनता के बिना कला स्थिर और निर्जीव हो जाती है। मैंने हमेशा संगीत में कुछ ऐसा ढूंढने की कोशिश की जो पहले कभी न सुना गया हो। सितार की गूंज में जो शांति है, वह रॉक संगीत को एक नई गहराई देती है। अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही प्रतिभा को निखारने का एकमात्र तरीका है। भीड़ का हिस्सा बनना आसान है, लेकिन अपनी अलग पहचान बनाना साहस का काम है। कला एक ऐसा आईना है जिसमें हम अपनी आत्मा की परछाई देखते हैं। जब तक आपके पास जुनून है, आप कभी बूढ़े नहीं होते। रचनात्मकता एक जलती हुई मशाल की तरह है जिसे आपको दूसरों तक पहुँचाना है। गलतियों से डरो मत, क्योंकि हर गलत सुर एक नए सुर की प्रेरणा बन सकता है। संगीत में मौन भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि ध्वनि। मैंने अपनी शर्तों पर जीवन जिया और मुझे अपने किसी भी निर्णय पर पछतावा नहीं है। कला का उद्देश्य समाज को केवल मनोरंजन देना नहीं, बल्कि उसे सोचने पर मजबूर करना भी है। हर नया दिन एक नया अवसर है कि आप अपनी कला में कुछ बेहतर कर सकें।

जीवन ऊर्जा

लिनस पॉलिंग : जन्म - 28 फरवरी, 1901

जन्म

लिनस पॉलिंग का जन्म 28 फरवरी, 1901 को ओरेगन, अमेरिका में हुआ था। वे इतिहास के एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने दो व्यक्तिगत नोबेल पुरस्कार (रसायन विज्ञान और शांति) जीते। उन्होंने रासायनिक बंधों और आणविक जीव विज्ञान के रहस्यों को सुलझाकर आधुनिक विज्ञान की नींव रखी। उनका निधन 19 अगस्त, 1994 को हुआ।

रचनात्मकता के लिए मानसिक स्वतंत्रता अनिवार्य है

सर्वश्रेष्ठ विचार प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आपके पास बहुत सारे विचार हों। विज्ञान सत्य की खोज है, जो कि दुनिया को समझने का एक विनम्र प्रयास है। इंसान को अपने अतीत से सीखना चाहिए, लेकिन उसमें जीना नहीं चाहिए। संतुष्टि और जिज्ञासा ही वैज्ञानिक शोध की असली जननी हैं। एक वैज्ञानिक को कल्पनाशील होना चाहिए लेकिन अपने सिद्धांतों का सबसे कठोर आलोचक भी। परमाणु हथियार मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं और इन्हें खत्म करना हमारा नैतिक दायित्व है। शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि न्याय की उपस्थिति है। हर बच्चे में एक वैज्ञानिक छिपा होता है, बस उसकी जिज्ञासा को जीवित रखने की ज़रूरत है। विटामिन सी केवल एक सप्लीमेंट नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी है। शोध करते समय गलतियां पापकरना बुरा नहीं है, बस उन्हें दोहराना नहीं चाहिए। सफलता रातों-रात नहीं मिलती, यह वर्षों के धैर्य और सूक्ष्म अवलोकन का परिणाम है। मैंने कभी भी लोकप्रियता के लिए काम नहीं किया, मेरा उद्देश्य हमेशा सत्य को जानना रहा। राजनीति और विज्ञान को अलग नहीं किया जा सकता जब बात मानव अस्तित्व की हो। एक अणु की संरचना में ही जीवन के गहरे रहस्य छिपे होते हैं। जीवन एक रासायनिक प्रक्रिया है, लेकिन इसका अर्थ रसायनों से कहीं बढ़कर

है। सच्चाई अक्सर सरल होती है, बस उसे देखने के लिए सही नजरिया चाहिए। मैंने हमेशा वही किया जो मुझे सही लगा, भले ही दुनिया मेरे खिलाफ रही हो। दूसरों के विचारों का सम्मान करें, लेकिन अपने विवेक पर भरोसा करना न छोड़ें। मानवता की सेवा ही विज्ञान का सर्वोच्च पुरस्कार है। नफरत को तर्क से नहीं, बल्कि करुणा और समझ से जीता जा सकता है। हर प्रयोग एक नई कहानी कहता है। सादगी ही जटिलता का अंतिम समाधान है।

अपने विचार

उनके खिलाफ पूरा का पूरा फर्जी केस बनाया गया था . उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने मिलकर आजाद भारत का सबसे बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र रचा, ताकि आम आदमी पार्टी को खत्म किया जा सके।

अरविंद केजरीवाल
अध्यक्ष,आप पार्टी

जो कपटजीवी सनातनी शंकराचार्य जी, साधु, संतों, संन्यासियों तक पर झूठे आरोप लगाने का महापाप करते हैं, वो भला किसी सरकार, दल या किसी व्यक्ति को बदनाम करने के लिए किस हद तक जा सकते हैं, इसकी कल्पना कोई शरीफ आदमी कर ही नहीं सकता है।

अखिलेश यादव
अध्यक्ष, सपा

अगर पिछले 70 साल में इतिहास सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो एक भी मुसलमान औरंगजेब को नायक नहीं मानता। हम आक्रांताओं को नायक मानने वालों का हमेशा विरोध करेंगे।टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, लेकिन उन्होंने ऐसा अपने राज्य को बचाने के लिए किया।

देवेन्द्र फडणवीस
सीएम, महाराष्ट्र

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) को सबसे भ्रष्ट पार्टी है । सीएम के आस-पास रहने वाले तीन-चार लोगों के पास छोटे राज्यों के बजट से अधिक संपत्ति है। जेडीयू कंपनियों से करोड़ों रुपया का चंदा लेकर उन्हें बेजा फायदा पहुंचाने का काम भी करती है।

सुनील सिंह
विधान परिषद सदस्य

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

विचार केवल क्षणिक कल्पनाएँ नहीं होते

मनुष्य अपने विचारों का ही प्रतिरूप होता है। वह जैसा सोचता है, वैसा ही बनता चला जाता है। विचार केवल क्षणिक कल्पनाएँ नहीं होते, वे जीवन की दिशा निर्धारित करने वाली अदृश्य शक्ति हैं। यदि विचार श्रेष्ठ, सकारात्मक और उज्ज्वल हों तो जीवन स्वतः ऊँचाइयों की ओर अग्रसर होता है; परंतु यदि सोच संकीर्ण, नकारात्मक या भ्रमित हो जाए तो वही जीवन पतन की राह पकड़ लेता है।

इसीलिए कहा गया है कि विचार ही वह बीज है, जो समय पाकर विशाल वृक्ष का रूप लेता है। बीज जैसा होगा, वृक्ष भी वैसा ही होगा। श्रेष्ठ सोच जीवन की पहली आवश्यकता है। जिस मन में उच्च आकांक्षाएँ, स्पष्ट लक्ष्य और पवित्र भावनाएँ होती हैं, वही मन महान कार्यों की नींव रखता है। इतिहास साक्षी है कि जिन व्यक्तियों ने अपनी सोच को सीमाओं से मुक्त किया, उन्होंने असंभव को संभव कर दिखाया। विचारों की पवित्रता व्यक्ति के चरित्र को आकार देती है, और चरित्र ही उसके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी पहचान बनता है। जब हम अपने मन को नकारात्मकता से मुक्त कर सकारात्मक ऊर्जा से भरते हैं, तब हमारे भीतर आत्मविश्वास का संचार होता है। यही आत्मविश्वास हमें कठिनाइयों से जूझने की शक्ति देता है। परंतु केवल श्रेष्ठ सोच ही पर्याप्त नहीं है। जीवन में समय का भी अत्यंत महत्व है। उचित समय पर किया गया कार्य ही फलदायी होता है। जैसे किसान यदि सही ऋतु में बीज बोता है तो उसे भरपूर फसल मिलती है, परंतु यदि वही बीज अनुचित समय पर बो दिया जाए तो वह अंकुरित भी नहीं हो पाता।

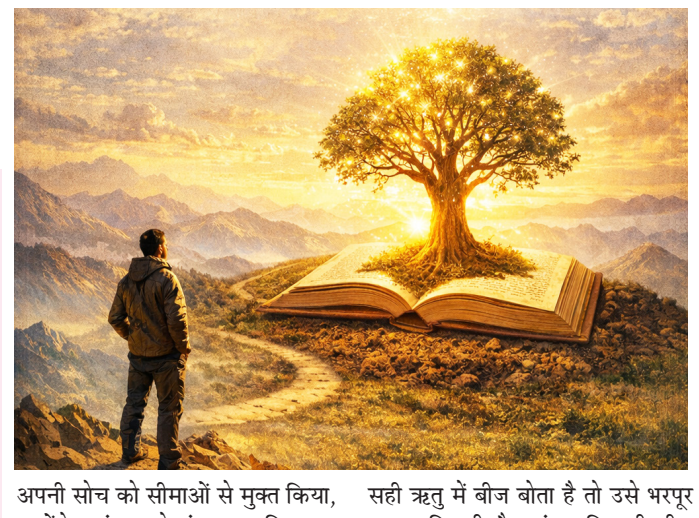

ठीक उसी प्रकार जीवन में अवसरों की पहचान और समय का सदुपयोग सफलता की अनिवार्य शर्त है। समय किसी के लिए रुकता नहीं, वह निरंतर प्रवाहित होता रहता है। जो व्यक्ति समय की गति को समझ लेता है और उसके अनुरूप अपने निर्णय लेता है, वही आगे बढ़ता है। श्रेष्ठ सोच और सही समय के साथ-साथ सार्थक प्रयास भी अनिवार्य है। केवल कल्पनाएँ करने से सफलता प्राप्त नहीं होती।

यदि लक्ष्य स्पष्ट है, समय अनुकूल है, पर प्रयास शिथिल है, तो परिणाम शून्य ही रहेगा। प्रयास वह सेतु है, जो विचारों को वास्तविकता से जोड़ता है। निरंतर परिश्रम, धैर्य और लगन के बिना कोई भी ऊँचाई प्राप्त नहीं की जा सकती। असफलताएँ मार्ग में अवश्य आती हैं, परंतु जो व्यक्ति अपने प्रयासों को निरंतर बनाए रखता है, वही अंततः विजय का स्वाद चखता है। जब इन तीनों तत्वों—श्रेष्ठ सोच, उचित समय और सार्थक प्रयास—का समन्वय होता है, तब सफलता स्वयं आपके चरणों में आ खड़ी होती है। यह त्रिवेणी संगम जीवन को साधारण से असाधारण बना देता है। जहाँ विचार उज्ज्वल हों, समय का सदुपयोग हो और कर्म निरंतर हों, वहाँ सफलता दासी बन जाती है। वहाँ असंभव शब्द का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

एमएसएसआई मुंबई और कोकिलाबेन अस्पताल में मल्टीपल स्केलेरोसिस पर संगोष्ठी

मुंबई। एमएसएसआई के मुंबई चैप्टर ने कोकिलाबेन धीरूभाई अम्बानी अस्पताल के सहयोग से "एमएस विकलांगता पर विजय" विषय पर एक चिकित्सा संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने मल्टीपल स्केलेरोसिस (एमएस) में रोकी जा सकने वाली विकलांगता, देर से होने वाले निदान तथा समय पर उपचार की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत में एमएस का निदान अक्सर देर से होता है, जिससे मरीजों में स्थायी विकलांगता का जोखिम बढ़ जाता है। उन्होंने प्रारंभिक पहचान, सशक्त रेफरल प्रणाली और बहु-विषयक उपचार पद्धति पर विशेष जोर दिया। डॉ. मोहित भट्ट ने व्यक्तिगत एवं समयबद्ध उपचार की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जबकि एमएसएसआई के संदीप चिटनिस ने जागरूकता, एकीकृत देखभाल और मरीज-केंद्रित प्रणाली को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। संगोष्ठी में यह निष्कर्ष निकाला गया कि समय पर निदान और समन्वित उपचार से एमएस मरीज बेहतर तथा अधिक स्वतंत्र जीवन जी सकते हैं।

मनपा के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान

ठाणे। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों और कर्मचारियों ने ठाणे शहर के विकास और नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने में अहम भूमिका निभाई है। ये अधिकारी-कर्मचारी वर्षों से ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्य भावना के साथ मनपा की सेवा करते रहे हैं। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और समृद्ध जीवन की कामना की। ठाणे मनपा की सेवा से तय आयु सीमा के अनुसार सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान समारोह स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल, एडिशनल कमिश्नर संदीप मालवी और प्रशांत रोडे, डिप्टी कमिश्नर जी.जी. गोदापुरे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर मेयर ने सेवानिवृत्ति को अंत नहीं बल्कि जीवन के नए अध्याय की शुरुआत बताया और विभिन्न विभागों के कुल 36 अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मान चिन्ह और बुके देकर सम्मानित किया गया।

रविवार को मुंबई लोकल का 'मेगा ब्रेक'

मध्य रेल पर मेगा ब्लॉक, पश्चिम रेलवे पर भी 5 घंटे का जम्बो ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेनों पर इस रविवार, 1 मार्च 2026 को मध्य और पश्चिम रेलवे द्वारा भारी 'मेगा ब्लॉक' लिया जा रहा है। रविवार को सीएसएमटी और विद्याविहार के बीच सुबह 10:55 से दोपहर 3:55 तक स्लो लाइन पर ब्लॉक रहेगा। इस दौरान सीएसएमटी से छूटने वाली और घाटकोपर से आने वाली सभी 'स्लो' ट्रेनें फास्ट ट्रैक पर चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें केवल भायखला, परेल, दादर, माटुंगा, सायन और कुर्ला स्टेशनों पर ही रुकेंगी। विद्याविहार के बाद ट्रेनें वापस अपने ट्रैक पर लौटेंगी।

हार्बर लाइन: कुर्ला-वाशी के बीच 'सन्नाटा'

हार्बर लाइन के यात्रियों के लिए रविवार थोड़ा भारी रहेगा। कुर्ला और वाशी के बीच सुबह 11:10 से शाम 4:10 तक ट्रेनें पूरी तरह बंद रहेंगी। सीएसएमटी से वाशी/पनवेल जाने वाली और वहां से लौटने वाली ट्रेनें इस दौरान रद्द रहेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए सीएसएमटी-कुर्ला और पनवेल-वाशी के बीच कुछ 'स्पेशल' ट्रेनें चलाई जाएंगी। साथ ही, हार्बर के यात्री सुबह 10 से शाम 6 बजे तक ठाणे-वाशी/नेरुल रूट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्यों जरूरी है यह ब्लॉक?

रेलवे प्रशासन का कहना है कि पटरियों की मजबूती, सिग्नल सिस्टम को दुरुस्त करने और ओवरहेड तारों (OHE) के रखरखाव के लिए यह ब्लॉक बेहद जरूरी है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए साल भर यह काम समय-समय पर किया जाता है।

चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल के बीच 'जम्बो ब्लॉक'

पश्चिम रेलवे पर भी चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल के बीच सुबह 10:35 से दोपहर 3:35 तक जम्बो ब्लॉक रहेगा। स्लो लाइन की सभी ट्रेनें इस दौरान फास्ट ट्रैक पर चलेंगी। चर्चगेट जाने वाली कुछ ट्रेनों को बीच में ही रोककर (बांद्रा या दादर से) वापस मोड़ दिया जाएगा। कुछ फेरियां रद्द भी रह सकती हैं।

मुंबई-रत्नागिरी के बीच 6 अतिरिक्त अनारक्षित विशेष ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

रेलवे आगामी होली त्योहार के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए मुंबई–रत्नागिरी सेक्शन पर 6 अतिरिक्त अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाएगा। इसके तहत पनवेल–रत्नागिरी–पनवेल मेमू विशेष (ट्रेन नंबर 01157/01158) दिनांक 27.02.2026, 28.02.2026 और 01.03.2026 को संचालित होंगी। 01157 पनवेल से 16:40 बजे प्रस्थान कर 23:55 बजे रत्नागिरी पहुंचेगी, जबकि 01158 रत्नागिरी से 09:00 बजे चलकर 16:10 बजे पनवेल पहुंचेगी। इन ट्रेनों का ठहराव सोमाटने से लेकर बोके तक कुल 28 स्टेशनों पर होगा और इनमें 8 मेमू कोच रहेंगे।

दिवा–चिपलून अनारक्षित विशेष के संचालन तिथि में बदलाव

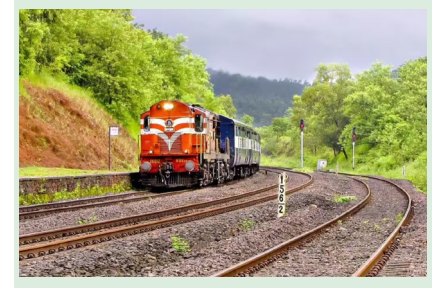

दिवा–चिपलून–दिवा अनारक्षित विशेष ट्रेन (01159/01160) पहले घोषित 01.03.2026 के बजाय अब 02.03.2026 से चलेगी। हालांकि इन ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। भारतीय रेलवे ने यात्रियों से ध्यान दिलाया है कि ये सभी ट्रेनें अनारक्षित होंगी और इन पर सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए लागू सामान्य शुल्क ही लिया जाएगा।

'नाना फडके मैदान' में प्रतिभा का महाकुंभ

दौड़, कैरम और शतरंज में दिव्यांगों ने दिखाया दम

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (KDMC) ने अपनी समावेशी सोच का परिचय देते हुए दिव्यांग बच्चों के लिए एक शानदार खेल उत्सव का आयोजन किया। कल्याण (पश्चिम) के स्व. नाना फडके मैदान में सजी इस खेल प्रतियोगिता ने न केवल बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी, बल्कि समाज को एक मजबूत संदेश भी दिया। स्पर्धा का उद्घाटन करते हुए महापौर हर्षाली चौधरी ने बेहद भावुक और जरूरी बात कही। उन्होंने माता-पिता से अपील की कि वे अपने दिव्यांग बच्चों को किसी 'अलग' नजरिए से न देखें। महापौर ने जोर देकर कहा कि ये बच्चे सामान्य और सक्षम नागरिक हैं। उन्हें हर प्रतियोगिता में भाग लेने के समान अवसर मिलने चाहिए ताकि वे अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकें।

'खेल भी है एक जादुई थेरेपी'

महानगरपालिका आयुक्त अभिनव गोयल ने खेलों के वैज्ञानिक महत्व पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक प्रकार की 'थेरेपी' है जो आत्मविश्वास बढ़ाती है। आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि KDMC ऐसे आयोजनों के माध्यम से दिव्यांगों को सशक्त बनाने और उन्हें निरंतर प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मैदान में दिखा 'टैलेंट और जिद' का संगम

स्व. नाना फडके मैदान खेलों के उत्साह से सराबोर रहा। यहाँ आयोजित स्पर्धाओं की सूची काफी लंबी और दिलचस्प थी गोला फेंक (शॉटपुट), वीलचेयर रेस और 100 मीटर दौड़, शतरंज और कैरम। निशानेबाजी और 'बाल्टी में गेंद डालना' (विशेष रूप से बौद्धिक चुनौतियों वाले बच्चों के लिए)। प्रतिभागियों ने अपनी शारीरिक सीमाओं को दरकिनार कर जिस जिद के साथ हिस्सा लिया, उसने वहां मौजूद हर व्यक्ति को प्रेरित किया।

टीम वर्क ने बनाया आयोजन को सफल

इस भव्य आयोजन के पीछे KDMC के अधिकारियों की कड़ी मेहनत रही। समाज कल्याण विभाग की उपायुक्त कांचन गायकवाड़, सचिव किशोर शेळके और समाज विकास अधिकारी प्रशांत गवाणकर के नेतृत्व में पूरी टीम ने जी-जान लगा दी। कार्यक्रम में पालिका के कई सदस्य और गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे, जिन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

एडवांस होली की आफत

प्लास्टिक की थैलियों में पानी भरकर गुब्बारे फेंकने का चलन खतरनाक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

होली से पहले शहर में "एडवांस होली" के नाम पर प्लास्टिक की थैलियों में पानी भरकर गुब्बारे फेंकने का चलन बढ़ गया है। खासकर स्कूल-कॉलेज के स्टूडेंट्स द्वारा सड़क पर चलते लोगों और दोपहिया-चारपहिया चालकों पर गुब्बारे फेंकने की घटनाएं सामने आ रही हैं। अचानक शरीर से गुब्बारा टकराने पर ड्राइवर का संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे गंभीर हादसों की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार गर्दन, आंख, कान और नाक जैसे संवेदनशील अंगों पर गुब्बारा लगने से गंभीर चोट भी लग सकती है।

प्लास्टिक बैन पर सवाल, सख्त कार्रवाई की मांग

हालांकि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध लगाया है, लेकिन शहर की कई दुकानों में 10 से 20 रुपये में ये थैलियां खुलेआम बिक रही हैं, जिससे नियमों के पालन पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि नियम कागजों तक सीमित रह गए हैं और बाजार में बिक्री जारी है। एनवायरनमेंटलिस्ट डॉ. प्रशांत सिनकर ने कहा कि प्लास्टिक की थैलियों में पानी भरकर होली मनाना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने जैसा है और यह कानून व प्रकृति दोनों का अपमान है। उन्होंने अपील की कि त्योहार जिम्मेदारी से मनाया जाए, पानी बचाया जाए और प्लास्टिक से दूर रहकर इको-फ्रेंडली तरीके से होली खेली जाए।

'ओडिसी' पुरस्कार समारोह में भावी डॉक्टरों को किया गया सम्मानित

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज और कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल के मेधावी छात्रों के लिए गुरुवार का दिन बेहद खास रहा। डॉ. काशीनाथ घानेकर हॉल में आयोजित 'ओडिसी' पुरस्कार समारोह में उन भावी डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने छात्रों को जीवन का बड़ा मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि मेडिकल फील्ड सिर्फ मोटी किताबों, लैब और पेशेंट केयर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संवेदनशीलता और इंसानियत का क्षेत्र है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि डॉक्टर बनने का मतलब सिर्फ बीमारी ठीक करना नहीं, बल्कि मरीज के मन को सहारा देना भी है, और यह संवेदनशीलता आपके अंदर छिपे टैलेंट से विकसित होती है।

'ओडिसी' यानी उत्कृष्टता की यात्रा

अस्पताल की डीन डॉ. स्वप्नाली कदम ने बताया कि इस वर्ष के सभी कार्यक्रमों को 'ओडिसी' की अवधारणा पर डिजाइन किया गया था। इसका मतलब है— अध्ययन, रचनात्मकता और उत्कृष्टता की एक लंबी यात्रा। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन का लक्ष्य छात्रों को सिर्फ डिग्री देना नहीं, बल्कि उन्हें एक बहुमुखी व्यक्तित्व बनाना है। इसी मौके पर कॉलेज की वार्षिक मैगजीन 'लाइफ लाइन' का विमोचन भी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

टॉपर्स और पुरस्कारों की रही धूम

कार्यक्रम में टॉपर्स और पुरस्कार विजेताओं की खास धूम रही, जहां डॉ. नुपुर संकलचा को तोरसेकर स्मृति पुरस्कार, तानिया गोधा को डॉ. एच.एस. भानुशाली स्मृति पुरस्कार (MUHS अंतिम वर्ष), रूही मैंदारकर को डॉ. एन. शैलेश्वर पुरस्कार (सर्जरी में प्रथम रैंक) तथा सविता यादव को डॉ. सी. मैत्रा पुरस्कार (फिजियोलॉजी प्रथम वर्ष) से सम्मानित किया गया, वहीं बैच टॉपर्स के रूप में बैच 2020 से तानिया गोधा, बैच 2021 से जिष्णु नायर, बैच 2022 से वृष्टि हरिया और बैच 2023 से अंशुत्शी सालुंखे को सम्मान मिला, इसके अलावा मुस्कान अरोरा, हसीबा अतीक, ओम पांडे और डोना जॉनसन जैसे मेधावी छात्रों को भी उनकी विशेष उपलब्धियों के लिए सराहा गया।

होली पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने की अपील

ठाणे। होली सोमवार, 2 मार्च 2026 को और रंगपंचमी मंगलवार, 3 मार्च 2026 को मनाई जाएगी। इस अवसर पर मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव ने नागरिकों से होली को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने की अपील की है। मेयर ने कहा कि होली खुशी, उत्साह और एकता का प्रतीक है, लेकिन त्योहार मनाते समय पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी उतना ही जरूरी है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि होली के लिए पेड़ न काटें और केमिकल रंगों के बजाय प्राकृतिक रंगों का उपयोग करें, क्योंकि रासायनिक रंग त्वचा, आंखों और पर्यावरण के लिए हानिकारक होते हैं। साथ ही लोगों से आग्रह किया गया है कि वे जानवरों पर रंग न डालें और न ही उन्हें परेशान करें। पानी की बर्बादी रोकने के लिए सूखी होली को प्राथमिकता देने और त्योहार को सुरक्षित व जिम्मेदार तरीके से मनाने का संदेश दिया गया है।

होली पर कोंकण जाना हुआ आसान

मुंबई-सावंतवाड़ी के बीच चलेगी 'एसी होली स्पेशल'

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

होली के दौरान ट्रेनों में होने वाली भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और सावंतवाड़ी रोड के बीच 2 विशेष एसी सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है। यह पूरी तरह से एसी ट्रेन होगी, जिससे कोंकण की गर्मी में यात्रियों को सुकून भरा सफर मिलेगा।

जाने और आने का समय

मुंबई से सावंतवाड़ी (01071): यह ट्रेन 01 मार्च 2026 (रविवार) को रात 00:20 बजे (शनिवार-रविवार की रात) मुंबई से छूटेगी और उसी दिन दोपहर 12:30 बजे सावंतवाड़ी पहुँच जाएगी।

सावंतवाड़ी से मुंबई (01072): वापसी में यह ट्रेन 01 मार्च 2026 (रविवार) को शाम 17:20 बजे सावंतवाड़ी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सोमवार तड़के 03:45 बजे मुंबई वापस आ जाएगी।

प्रमुख स्टॉपेज

इस ट्रेन को कोंकण रूट के लगभग सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। मुंबई के पास दादर, ठाणे, पनवेल के अलावा यह चिपलुन, रत्नागिरी, कंकवली और कुडाल जैसे 21 स्टेशनों पर रुकेगी। इससे छोटे गांवों में रहने वाले यात्रियों को भी काफी सुविधा होगी। इस स्पेशल ट्रेन में यात्रियों के आराम का पूरा ख्याल रखा गया है। इसमें 18 एसी 3-टियर इकोनॉमी कोच लगाए गए हैं। इकोनॉमी क्लास होने की वजह से यात्रियों की जेब पर भी ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा और उन्हें कम दाम में एसी सफर का आनंद मिलेगा।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। चिंता में कमी होगी।

वृष स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

मिथुन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें।

सिंह पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं।

कन्या दुःखद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

तुला भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे।

धनु घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कुंभ नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मीन स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें।

मंगल महादशा का रहस्यमय प्रभाव और जीवन में शक्ति जागरण का काल

वैदिक ज्योतिष में मंगल की महादशा को जीवन की सबसे ऊर्जावान, निर्णायक और कर्मप्रधान अवधि माना जाता है, क्योंकि मंगल केवल एक ग्रह नहीं बल्कि जीवन की सक्रिय शक्ति, इच्छाशक्ति और आत्मबल का प्रतीक है। प्राचीन ज्योतिष ग्रंथ बृहत् पराशर होरा शास्त्र में मंगल को पृथ्वी पुत्र कहा गया है, जिसका अर्थ है कि यह ग्रह सीधे हमारे भौतिक जीवन, कर्म और संघर्ष से जुड़ा हुआ है। जब किसी व्यक्ति के जीवन में मंगल की महादशा प्रारंभ होती है, तो यह सात वर्षों की अवधि उसके जीवन की दिशा और गति दोनों को बदल सकती है। यह समय व्यक्ति के अंदर छिपी हुई शक्ति को जागृत करता है, उसे साहसी बनाता है और जीवन में ठोस निर्णय लेने के लिए प्रेरित करता है। यदि कुंडली में मंगल शुभ स्थिति में है, तो यह महादशा व्यक्ति को ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है, उसे नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान कर सकती है। ऐसे व्यक्ति अपने जीवन में नए अवसरों को पकड़ते हैं, जोखिम उठाते हैं और सफलता प्राप्त करते हैं। मंगल की ऊर्जा व्यक्ति को कर्म करने के लिए प्रेरित करती है, जिससे वह आलस्य छोड़कर सक्रिय बन जाता है। लेकिन यदि मंगल कुंडली में अशुभ स्थिति में हो, जैसे कि नीच राशि में हो, पाप ग्रहों से पीड़ित हो या छठे, आठवें या बारहवें भाव में कमजोर स्थिति में हो, तो मंगल की महादशा चुनौतियों और संघर्षों से भरी हो सकती है। इस दौरान व्यक्ति को क्रोध अधिक आ सकता है, धैर्य की कमी हो सकती है और रिश्तों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। मंगल की तीव्र ऊर्जा यदि नियंत्रित न हो, तो यह दुर्घटनाओं, चोट, विवाद और मानसिक अशांति का कारण भी बन सकती है। इसलिए मंगल की महादशा को केवल शुभ या अशुभ कहना उचित नहीं है, बल्कि यह एक परिवर्तनकारी प्रक्रिया है, जो व्यक्ति को उसकी वास्तविक शक्ति से परिचित कराती है। यह वह समय होता है जब व्यक्ति को अपने कर्मों की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है और जीवन में ठोस निर्णय लेने होते हैं। मंगल की महादशा व्यक्ति के अंदर छिपे हुए योद्धा को जागृत करती है, जिससे वह जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार हो जाता है।

प्रियंका जैन
97699 94439

इस अवधि में व्यक्ति के स्वभाव में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देता है। उसका आत्मविश्वास बढ़ जाता है, निर्णय लेने की क्षमता मजबूत हो जाती है और वह अपने लक्ष्य के प्रति अधिक गंभीर हो जाता है। मंगल की ऊर्जा व्यक्ति को निर्भीक बनाती है, जिससे वह अपने जीवन में नई शुरुआत करने का साहस प्राप्त करता है। कई लोगों के जीवन में मंगल की महादशा के दौरान करियर में बड़ा परिवर्तन होता है, जैसे नौकरी में पदोन्नति, नया व्यवसाय शुरू करना या जीवन की दिशा बदलना। यह समय व्यक्ति को भौतिक रूप से मजबूत बनाता है और उसे आर्थिक रूप से स्थिर करने में भी सहायक होता है, बशर्ते मंगल शुभ स्थिति में हो। लेकिन यदि मंगल अशुभ हो, तो व्यक्ति को अधिक मेहनत करनी पड़ती है और सफलता संघर्ष के बाद प्राप्त होती है। यह अवधि व्यक्ति को धैर्य और आत्मनियंत्रण का महत्व सिखाती है। मंगल की महादशा केवल भौतिक जीवन को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि यह व्यक्ति की मानसिक और आध्यात्मिक स्थिति को भी प्रभावित करती है। यह व्यक्ति को आत्मअनुशासन सिखाती है और उसे अपने अंदर की शक्ति को पहचानने का अवसर देती है।

न्यूज़ ब्रीफ

देवरिया की बीएसए शालिनी श्रीवास्तव निलंबित

लखनऊ। यूपी के जनपद देवरिया में शिक्षक आत्महत्या प्रकरण ने प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने त्वरित और कड़ा कदम उठाते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) शालिनी श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया है। शासन स्तर पर प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों को आधार बनाकर यह कार्रवाई की गई है, जिससे स्पष्ट संदेश गया है कि लापरवाही या संवेदनहीनता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

योगी के सलाहकार अवनीश अवस्थी का कार्यकाल बढ़ा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी का कार्यकाल एक साल के लिए पुनः बढ़ा दिया गया है। इस आशय का आदेश जारी कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत होने के बाद अवनीश कुमार अवस्थी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सलाहकार नियुक्त किया गया था। कार्यकाल पूरा होने के बाद अब सरकार ने पुनः उनका एक साल के लिए कार्यकाल बढ़ाया है। यह अवधि एक मार्च 2026 से लेकर 28 फरवरी 2027 तक की है। अब तक कई बार उनका कार्यकाल बढ़ाया जा चुका है।

तीन माह में निपटाएं अनुकंपा नियुक्ति के मामले : मुख्य सचिव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सेवाकाल में दिवंगत हुए सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों के सेवायोजन मामलों में हो रही देरी पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों और प्रमुख सचिवों को निर्देश दिया है कि मृतक आश्रितों की नियुक्ति से जुड़े प्रकरणों का निस्तारण अधिकतम तीन माह के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाए। इस संबंध में शासन स्तर से औपचारिक पत्र जारी कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। मुख्य सचिव ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि 'उत्तर प्रदेश में सेवाकाल में मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की भर्ती नियमावली, 1974' का मूल उद्देश्य आकस्मिक मृत्यु के बाद परिवार को तत्काल आर्थिक संबल प्रदान करना है।

बहराइच में पुलिस हिरासत में मेडिकल स्टोर संचालक की मौत

कस्टडी डेथ में थानेदार नामजद

- गुरुवार रात पूछताछ के लिए बुलाया गया था स्टोर संचालक
- एसओ समेत कुल तीन लोगों के खिलाफ लिखा गया केस

एजेंसी । बहराइच

जनपद बहराइच के रामगांव थाने में गुरुवार रात पूछताछ के दौरान 55 वर्षीय मेडिकल स्टोर संचालक राकेश श्रीवास्तव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने पर प्रदर्शन किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए।

बालिका से दुष्कर्म का आरोप

राकेश श्रीवास्तव पर एक 10 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म का आरोप था। शिकायतकर्ता की तहरीर के अनुसार 22 फरवरी को आरोपी उसके घर पहुंचा और बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। इसी मामले में पुलिस ने गुरुवार रात कुड़वा चौराहा स्थित उसकी मेडिकल दुकान से उसे हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए थाने ले गई। परिजनों का आरोप है कि उन्हें हिरासत और पूछताछ की जानकारी नहीं दी गई।

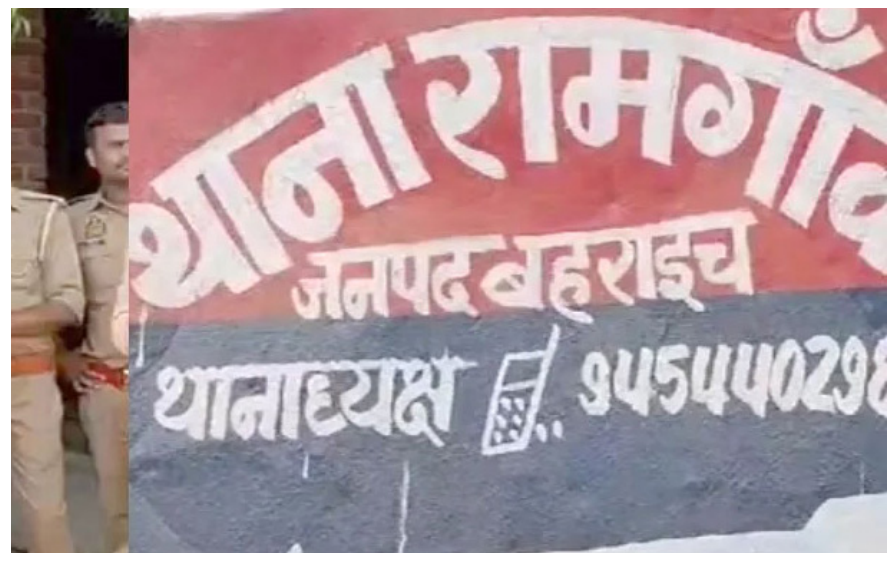

पुलिस ने घर के बाहर छोड़ा

परिजनों के मुताबिक देर रात पुलिस ने तबीयत बिगड़ने की बात कहते हुए राकेश को घर के बाहर छोड़ दिया। हालत गंभीर होने पर परिवारजन उसे मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद आक्रोशित परिजन शव लेकर थाने पहुंचे और पुलिस पर मारपीट व जहर देने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

कोतवाली देहात को मिली जांच

क्षेत्राधिकारी पवन कुमार ने बताया कि मृतक के पुत्र अनिकेत श्रीवास्तव की तहरीर पर थानाध्यक्ष और अन्य संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए जांच रामगांव थाने से हटाकर कोतवाली देहात को सौंपी गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है और अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

UP में होली पर चार दिन की छुट्टी

- राज्य/संविदा कर्मियों को समय से तनख्वाह/मानदेय देने के निर्देश

एजेंसी । बहराइच

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश में होली के अवसर पर कर्मचारियों को लगातार चार दिन का अवकाश मिलेगा। राज्य सरकार ने 3 मार्च को भी अवकाश घोषित किया है, जबकि इसके बदले 28 फरवरी को कार्य दिवस रखा गया है।

चार मार्च को खेला जाएगा रंग

चार मार्च को प्रदेश में रंगोत्सव मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी नियमित, संविदा, आउटसोर्सिंग और सफाई कर्मियों का वेतन होली से पूर्व हर हाल में जारी किया जाए।

सुरक्षा से नहीं हो समझौता

उन्होंने स्पष्ट कहा कि भुगतान में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही त्योहार के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और शांति पूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के भी कड़े निर्देश दिए गए हैं। धार्मिक परंपरा के अनुसार इस वर्ष 2 मार्च को होलिका दहन और 4 मार्च को रंग खेलने का कार्यक्रम निर्धारित है।

पांच मार्च तक सील रहेगी भारत-नेपाल सीमा

- नेपाल में प्रतिनिधि सभा चुनाव के मद्देनज़र दो मार्च से लागू होगा प्रतिबंध

एजेंसी । पिथौरागढ़

नेपाल में होने वाले प्रतिनिधि सभा सदस्य निर्वाचन को लेकर दो से पांच मार्च तक भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा और दोनों देशों को जोड़ने वाले पुल अस्थायी रूप से बंद रहेंगे।

जिला प्रशासन ने इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि नेपाल के दार्चुला (खलंगा) स्थित प्रमुख जिला अधिकारी की ओर से प्राप्त पत्र के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग, उपजिलाधिकारी पिथौरागढ़, डीडीहाट और धारचूला के साथ-साथ सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संबंधित वाहिनियों को सीमा क्षेत्रों में कड़ी निगरानी और समन्वित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। \प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे 2 से 5 मार्च के बीच सीमा क्षेत्र की यात्रा से परहेज करें और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें।

छत्तीसगढ़ में फिल्म 'शतक' टैक्स-फ्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित फिल्म 'शतक' को राज्य में टैक्स-फ्री करने की घोषणा की है। गुरुवार देर रात राजधानी रायपुर के जोरा मॉल में फिल्म का विशेष प्रदर्शन देखा गया, जिसमें मंत्रिमंडल के सदस्य और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। दर्शन के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फिल्म केवल ऐतिहासिक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा, समर्पण और संगठन की प्रेरक गाथा का सशक्त प्रस्तुतीकरण है मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के दूरदर्शी विचारों से शुरू हुई यात्रा को माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर ने नई दिशा दी।

शाइन सिटी घोटाला: UAE से राशिद नसीम गिरफ्तार

- घोटाले में दर्ज हैं 554 एफआईआर, 2019 में भागा था राशिद
- प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज, ईडी के अनुरोध पर की गई कार्रवाई

एजेंसी । लखनऊ

बहुचर्चित शाइन सिटी ग्रुप घोटाले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी राशिद नसीम को संयुक्त अरब अमीरात में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुरोध पर की गई। लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाशे जा रहे राशिद की गिरफ्तारी को जांच एजेंसियों के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है। यूपी के कई जिलों में की गई ठगी प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, राशिद नसीम पर उत्तर प्रदेश के कई जिलों, विशेषकर लखनऊ में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी और धन शोधन के गंभीर आरोप दर्ज हैं।

विशेष अदालत ने घोषित किया आर्थिक भगोड़ा

गौरतलब है कि पिछले वर्ष अप्रैल में लखनऊ स्थित विशेष पीएमएलए कोर्ट ने राशिद नसीम को आर्थिक अपराधी अधिनियम के तहत भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया था। इस गिरफ्तारी के बाद पीड़ित निवेशकों को न्याय की उम्मीद जगी है और माना जा रहा है कि उससे पूछताछ में घोटाले से जुड़े कई अहम राज सामने आ सकते हैं। शाइन सिटी घोटाला क्या है? शाइन सिटी घोटाला एक बड़ा निवेश धोखाधड़ी और धन शोधन (money laundering) मामला है, जिसमें यह आरोप है कि कंपनी और इसके प्रमोटर लोगों को रियल एस्टेट निवेश योजनाओं और बहु-स्तरीय मार्केटिंग स्कीम (Ponzi/Pyramid) के नाम पर आकर्षक रिटर्न का लालच देकर करोड़ों रुपये जुटाया गया।

कुल कितना घोटाला हुआ?

पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय (ED) की जांच के अनुसार, इस घोटाले में लगभग 800 करोड़ से 1,000 करोड़ तक निवेशकों का धन कथित रूप से हड़प लिया गया है, जो Ponzi-शैली की योजनाओं के तहत जमाया गया था। बाद में न्यायालय आदेशों में 127.98 करोड़ की चल-अचल संपत्ति जब्त करने के निर्देश भी दिए गए।

व्यापार जगत

बाजार का ब्लैक फ्राइडेः 4.98 लाख करोड़ डूबे

- सेंसेक्स 961 अंक और निफ्टी 1.25% फिसलकर हुआ बंद
- अंतिम दिन शेयर बाजार ने निवेशकों को दिया बड़ा झटका

एजेंसी । नई दिल्ली

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में जोरदार बिकवाली ने निवेशकों को झकझोर दिया। शुरुआती मामूली कमजोरी के बाद बाजार पर मंदड़ियों का ऐसा दबाव बना कि प्रमुख सूचकांक दिनभर संभल नहीं सके। अंततः BSE Sensex 961.42 अंक यानी 1.17 प्रतिशत टूटकर 81,287.19 पर बंद हुआ,।

पांच लाख करोड़ के करीब पूंजी साफ

तेज गिरावट के चलते निवेशकों की संपत्ति में 4 .98 लाख करोड़ रुपये की भारी कमी दर्ज की गई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप गुरुवार के 468 .49 लाख करोड़ रुपये से घटकर 463 .51 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) रह गया।

सेक्टरों में चौतरफा दबाव

ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों में दिनभर बिकवाली हावी रही। इसके साथ ही मेटल, टेलीकॉम, रियल्टी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पीएसयू और टेक इंडेक्स भी लाल निशान में बंद हुए। हालांकि आईटी और मीडिया शेयरों में आंशिक खरीदारी देखने को मिली। ब्रॉडर मार्केट भी दबाव में रहा—निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1.14 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.10 प्रतिशत टूटकर बंद हुए, जो व्यापक कमजोरी का संकेत है।

मार्केट ब्रेड्थ बेहद कमजोर

बीएसई में 4,369 शेयरों में कारोबार हुआ—1,666 बढ़त में और 2,521 गिरावट में रहे। एनएसई में 2,896 शेयरों में ट्रेडिंग हुई, जिनमें 1,921 शेयर लाल निशान में बंद हुए। सेंसेक्स के 30 में से 25 और निफ्टी के 50 में से 46 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए—यह व्यापक कमजोरी का स्पष्ट संकेत है। दिग्गज शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजी, ट्रेंट, इंफोसिस और अपोलो हॉस्पिटल बढ़त में रहे। वहीं सन फार्मास्यूटिकल्स, भारती एयरटेल, एचडीएफसी लाइफ, महिंद्रा एंड महिंद्रा और डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज प्रमुख नुकसान झेलने वाले शेयरों में शामिल रहे।

अर्थव्यवस्था: तीसरी तिमाही में 7.8% की रफ्तार

- नए आधार वर्ष शृंखला के साथ अर्थव्यवस्था ने दिखाई मजबूती

एजेंसी । नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में देश की अर्थव्यवस्था ने मजबूती के संकेत दिए हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही के 8.4 प्रतिशत से थोड़ी कम है, लेकिन बाजार के अनुमानों से बेहतर प्रदर्शन माना जा रहा है। यह आंकड़े नई राष्ट्रीय आय शृंखला के तहत जारी किए गए हैं, जिसमें आधार वर्ष 2011-12 के स्थान पर 2022-23 को नया आधार वर्ष बनाया गया है।

नई शृंखला में वृद्धि का बेहतर परिदृश्य

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, नई जीडीपी शृंखला के आधार पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इससे पहले यह अनुमान 7.4 प्रतिशत था। संशोधित अनुमान दर्शाते हैं कि आर्थिक गतिविधियों में अपेक्षा से अधिक तेजी बनी हुई है। तीसरी तिमाही में रियल जीडीपी 84.54 लाख करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 78.41 लाख करोड़ रुपये थी। इस प्रकार वास्तविक उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

अमेरिकी फैसलों पर पैनी नजर: गोयल

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा- हालात बदले तो समझौते में होगा पुनर्संतुलन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत सरकार अमेरिका में हालिया न्यायिक और नीतिगत घटनाक्रमों पर करीबी निगाह रखे हुए है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री Piyush Goyal ने स्पष्ट किया कि भारत-अमेरिका के प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते (आईटीए) में परिस्थितियों के बदलने की स्थिति में 'पुनर्संतुलन' (Rebalancing) का स्पष्ट प्रावधान शामिल है, ताकि दोनों देशों के हित सुरक्षित रह सकें।

संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा

गोयल ने कहा कि भारत ने वार्ता के दौरान अपने संवेदनशील क्षेत्रों—दूध एवं डेयरी उत्पाद, सोयाबीन मील, पोल्ट्री, जेनेटिक रूप से संशोधित खाद्य, चावल, गेहूं और मक्का—की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की है।

संयुक्त बयान का हवाला

एक कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने कहा, "भारत और अमेरिका के साझा बयान में स्पष्ट उल्लेख है कि यदि किसी भी पक्ष द्वारा आयात शुल्क में बदलाव किया जाता है, तो दूसरा पक्ष समझौते की शर्तों में संतुलन स्थापित कर सकता है।" उनके अनुसार, यह प्रावधान समझौते को लचीला और पारस्परिक रूप से सुरक्षित बनाता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने अप्रैल 2025 में ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्कों को निरस्त कर दिया था। इसके बाद नई अस्थायी टैरिफ व्यवस्था लागू की गई। इस बदले हुए परिदृश्य में भारत अपनी रणनीति का आकलन कर रहा है।

कीमती धातुओं के भाव में नरमी

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमतों में हल्की नरमी दर्ज की गई, जबकि चांदी के भाव स्थिर रहे। शुरुआती कारोबार में सोना 220 से 230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ। गिरावट के बाद 24 कैरेट सोना 1,61,670 से 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता दिखा, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,190 से 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ और Delhi सर्राफा बाजार में यह 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कायम रही। कारोबारियों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय संकेतों और घरेलू मांग के संतुलन के बीच कीमतों में सीमित उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है, जिससे फिलहाल खुदरा खरीदारों को सोने में मामूली राहत मिली है।

BOB: बांड के जरिए 10,000 करोड़ जुटाने की तैयारी

- सात साल की अवधि वाले हरित अवसंरचना बांड होंगे जारी

एजेंसी । नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक बैंक आफ बड़ौदा ने हरित अवसंरचना परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 10,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की तैयारी की है। बैंक सात वर्ष की अवधि वाले हरित अवसंरचना बॉन्ड जारी करेगा, जिससे स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं को बल मिलेगा।

सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक बैंक आफ बड़ौदा ने हरित अवसंरचना परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 10,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की तैयारी की है। बैंक सात वर्ष की अवधि वाले हरित अवसंरचना बॉन्ड जारी करेगा।

निर्गम संरचना और 'ग्रीन शू'

निर्गम संरचना और 'ग्रीन शू' विकल्पमें पयागपुर में एक ई-रिक्शा सवार महिला से 20 लाख रुपये के जेवर की टप्पेबाजी की घटना हुई थी। इसके अलावा, ननके नामक युवक की हत्या और इलाके में हुई कई बड़ी चोरियों के सिर्फ हत्याकांड ही नहीं, बल्कि क्षेत्र में हुई अन्य बड़ी वारदातों को सुलझाने में भी स्वाट टीम फिसड्डी साबित हुई। हाल ही में पयागपुर में एक ई-रिक्शा सवार महिला से 20 लाख रुपये के जेवर की टप्पेबाजी की घटना हुई थी।

पाक की निगाह बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल पर

श्रीलंका के खिलाफ आज सुपर आठ का अपना अंतिम मुकाबला खेलेगा पाकिस्तान

एजेंसी । पल्लेकेले

अगर-मगर के फेर में फंसी पाकिस्तान टीम को टी-20 विश्व कप के सुपर-8 चरण के अपने आखिरी मुकाबले में मेजबान श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। इसके साथ ही उसे यह दुआ भी करनी पड़ेगी कि न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड से बड़े अंतर से हार जाए। उधर, टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी श्रीलंकाई टीम जीत के साथ विदाई लेने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

ग्रुप समीकरण और अंक तालिका

पाकिस्तान अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर है। इस ग्रुप से इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच अंतिम चार में जगह बनाने की सीधी जंग है, लेकिन मौजूदा हालात में कीवी टीम बेहतर स्थिति में दिख रही है।

नेट रन रेट से तय हो रही तस्वीर

न्यूजीलैंड के खाते में तीन अंक हैं और उसका नेट रन रेट 3.050 है। पाकिस्तान के पास केवल एक अंक है और उसका नेट रन रेट माइनस 0.461 है। हालांकि गणितीय रूप से पाकिस्तान की उम्मीदें अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं, लेकिन उसके लिए बड़े अंतर से जीत अनिवार्य है।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का कारण

अब तक टूर्नामेंट में पाकिस्तान के बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ही लगातार रन बनाने में सफल रहे हैं। उन्होंने 70.75 की औसत और 158.10 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं।

अन्य बल्लेबाजों का कमजोर योगदान

फरहान को छोड़कर पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज इस टूर्नामेंट में तीन अंकों तक नहीं पहुंच सका है। ऑलराउंडर शादाब खान 111 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। कप्तान सलमान (44 रन), अयूब (70 रन) और स्टार बल्लेबाज बाबर आजम (91 रन) उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। ऐसे में टीम की नजरें फखर जमां पर टिकी रहेंगी।

आमने-सामने

कुल मैच	: 29
पाक जीता	: 17
श्रीलंका जीता	: 12

नंबर गेम

4 मैच विश्व कप में दोनों ने खेले हैं दो श्रीलंका और दो पाकिस्तान ने जीते हैं

14 रन से हराया था श्रीलंका ने पाक को जनवरी में दोनों के बीच खेले गए पिछले मुकाबले में

गेंदबाजी में थोड़ी राहत

पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण में उस्मान तारिक (10 विकेट) की मौजूदगी से मजबूती मिली है। शाहीन शाह अफरीदी ने इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट लेकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिए हैं। यदि गेंदबाज शुरुआती झटके देने में सफल रहे तो पाकिस्तान की जीत की संभावना बढ़ सकती है।

श्रीलंका के लिए आखिरी मौका

मेजबान श्रीलंका के पास अपने घरेलू दर्शकों को खुश करने का यह अंतिम अवसर है। सह-मेजबान होने के बावजूद टीम टूर्नामेंट में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही है। 2011 में सह-मेजबानी के दौरान श्रीलंका उपविजेता रहा था, लेकिन इस बार कहानी अलग रही है।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में कमजोरी

श्रीलंका की बल्लेबाजी में न गहराई दिखी और न ही स्थिरता। निसंका, कुसल और पवन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजों ने भी अहम मौकों पर रन लुटाए हैं, खासकर न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम ओवरों में। तीक्षणा, चमीरा और वेल्लालागे अंतिम मुकाबले में खुद को साबित करने की कोशिश करेंगे।

बेहतर छठा गेंदबाजी विकल्प भारत के लिए चिंता का विषय

अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और रिंकू सिंह ने भी इस विश्व कप में गेंदबाजी की

दुबे ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दो ओवर में 46 रन लुटा विश्व रिकॉर्ड बना दिया

एजेंसी । नई दिल्ली

जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर आठ के मुकाबले में भारतीय जीत के बावजूद टीम की गेंदबाजी की कमजोरी सबके सामने उजागर हो गई। अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल की मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप भी विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर मौजूद जिम्बाब्वे की टीम को आउट करने में सफल नहीं हो सकी। ऐसे में टीम में छठा गेंदबाजी विकल्प चिंता का विषय बन गया है। शिवम दुबे को हालांकि छठे गेंदबाज के रूप में उतारा गया लेकिन विपक्षी बल्लेबाजों ने उनका ऐसा हश्र किया कि उनके नाम अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। दुबे ने सिर्फ दो ओवर में ही 46 रन लुटा दिए जो विश्व कप के इतिहास में पहले दो ओवर में दिए गए सर्वाधिक रन हैं।

बेहतर विकल्प की जरूरत

अनिल कुंबले और फाफ डु प्लेसी का मानना है कि भारत को एक बेहतर छठे गेंदबाजी विकल्प की जरूरत है। भारत के पास अब भी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद है। उसका अगला मैच रविवार को वेस्टइंडीज से है। कुंबले ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइमआउट शो में कहा, भारत ने पिछले विश्व कप के बाद से अपने बल्लेबाजों से थोड़ी गेंदबाजी कराई है, जो सही कदम है। अगर आप पिछले 18 महीनों को देखें, तो तिलक वर्मा, अभिषेक शर्मा और शिवम दुबे ने गेंदबाजी की है। उन्होंने साथ ही कहा, रिंकू सिंह और सूर्यकुमार यादव ने भी हाथ घुमाया है। तो इस मायने में भारत के पास विकल्प हैं और यह अच्छी बात है। लेकिन सपाट पिच पर चुनौतियां भी होंगी। भारत आदर्श रूप से आठ बल्लेबाजों के साथ खेलना चाह रहा है, बजाय इसके कि सात बल्लेबाज और पांच विशेषज्ञ गेंदबाज लेकर उतरे। कुंबले ने साथ ही कहा, भारत की लंबी बल्लेबाजी क्रम से जरूरी नहीं कि उनकी भूमिकाएं भी स्पष्ट तौर पर तय हों। इसे भारत सही तरह से संभाल नहीं पाया है। वे लम्बे बल्लेबाजी क्रम चाहते हैं। तिलक जैसे खिलाड़ी के साथ भूमिका की स्पष्टता नहीं है।

निशाना बनेंगे कमजोर गेंदबाज

दूसरी ओर, डु प्लेसी ने भी माना कि विपक्षी टीमें भारत के छठे गेंदबाजी विकल्प को संभावित दबाव बिंदु के रूप में देखेंगी। उन्होंने कहा, रणनीतिक नजरिये से टीमें बुमराह और वरुण जैसे मुख्य खतरों को निष्क्रिय करने की कोशिश करेंगी और उन ओवरों का इंतजार करेंगी, जिन्हें वे कम खतरनाक मानती हैं। अगर दुबे वाइड यॉर्कर या रक्षात्मक लाइन डाल रहे हैं, तो आप उन्हें निशाना बना सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से लगातार 12वीं वनडे सीरीज जीती

एजेंसी । होबार्ट

ऑस्ट्रेलिया की जीत की सबसे बड़ी स्टार रहीं जर्जिया वोल, जिन्होंने 101 रनों की बेमिसाल पारी खेलकर भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ा दीं। उन्होंने फोबे लिचफील्ड (80 रन) के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 119 रनों की ऐसी साझेदारी की कि टीम इंडिया मैच से बाहर हो गई। जॉर्जिया ने न केवल अपना शतक पूरा किया, बल्कि 36.1 ओवर में ही मैच खत्म कर भारत को एक ऐसी हार थमाई जिसे भूलना आसान नहीं होगा।

टीम इंडिया की अच्छी शुरुआत पर फिरा पानी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को प्रतिका रावल (52) और स्मृति मंधाना (31) ने 78 रनों की मजबूत शुरुआत दी थी। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 54 रनों की जिम्मेदारी भरी पारी खेली, लेकिन मिडिल ऑर्डर और फिनिशर्स उम्मीद के मुताबिक तेजी से रन नहीं बना सके। भारत ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 251 रन बनाए, जो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी के सामने 'ऊंट के मुंह में जीरा' साबित हुए।

मंधाना और जेमिमा की 'सस्ती' विदाई

भारत के लिए बड़ा स्कोर खड़ा करने की उम्मीदें उस वक्त टूटीं जब स्मृति मंधाना पैडल स्वीप मारने के चक्कर में गार्डनर की गेंद पर बोल्ड हो गईं। वहीं जेमिमा रोड्रिग्स (11) भी एक ढीला शॉट खेलकर कैच दे बैठीं। रिचा घोष (22) और काशवी (25) ने अंत में कुछ रन जरूर जोड़े, लेकिन गार्डनर, सदरलैंड और किंग की धारदार गेंदबाजी ने भारत को 251 पर ही रोक दिया।

गेंदबाजी में दिखी 'धार' की कमी

जब 252 रनों का बचाव करने की बारी आई, तो भारतीय गेंदबाज जॉर्जिया और फोबे को रोकने में पूरी तरह नाकाम रहीं। दीप्ति शर्मा और काशवी ने 2-2 विकेट जरूर झटके, लेकिन तब तक ऑस्ट्रेलिया जीत के दरवाजे पर खड़ा था। एशले गार्डनर ने विजयी चौका लगाकर ऑस्ट्रेलिया को 83 गेंद शेष रहते ही जीत दिला दी। यह भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की लगातार 12वीं वनडे सीरीज जीत है।

आईपीएल का आगाज 28 मार्च से, फाइनल 31 मई को होगा

मुंबई। आईपीएल ने पिछली नीलामी से एक दिन पहले बताया था कि इस साल का संस्करण 26 मार्च से शुरू होगा, लेकिन खबरों के अनुसार, सत्र शुरू होने की तारीख बदलकर 28 मार्च करने और फाइनल 31 मई को कराने का फैसला किया गया है। आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल अगले हफ्ते मीटिंग करेगी। काउंसिल इस बात पर भी चर्चा कर सकती है कि उद्घाटन मुकाबला कहां खेला जाएगा क्योंकि इसमें मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शामिल होगी। पिछले जून में बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के जीत के जश्न के दौरान भगदड़ मचने से 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से इस पर चर्चा कर रहा है कि टीम के घरेलू मैच वहीं खेले जाएंगे या नहीं?

इतिहास रचने की दहलीज पर खड़ी जम्मू-कश्मीर टीम

पहला खिताब जीतने के करीब, कर्नाटक के खिलाफ फाइनल में अपनी कुल बढ़त 477 रन की

रणजी ट्रॉफी

हुबली। जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम रणजी में इतिहास रचने की दहलीज पर पहुंच गई है। अनुभवी तेज गेंदबाज आकिब नबी के पांच विकेट और सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल की नाबाद 94 रन की पारी के दम पर मेहमान टीम का कर्नाटक के खिलाफ विशाल बढ़त से पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जीतना तय नजर आ रहा है। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर यह खिताब जीतने वाली देश की 18वीं टीम बन जाएगी।

दिनेश कार्तिक ने नई सलामी जोड़ी का किया समर्थन

चेन्नई। जिम्बाब्वे के खिलाफ जबरदस्त बैटिंग प्रदर्शन के बाद दिनेश कार्तिक ने भारत की नई ओपनिंग जोड़ी का समर्थन किया है। भारत के सभी शीर्ष छह बल्लेबाजों ने शानदार योगदान दिया, जिससे मेजबान टीम ने चार विकेट पर 256 रन बनाकर टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर अपने नाम कर लिया। कार्तिक का मानना है कि बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाज के इस तालमेल से फायदा मिला। कार्तिक ने आईसीसी डिजिटल से कहा, जब संजू और अभिषेक जैसे कोई साथ में ओपनिंग करते हैं, तो बाएं और दाएं कॉम्बिनेशन होने पर बहुत प्रेशर होता है। उन्होंने ऑफ-स्पिन गेंदबाजी नहीं की क्योंकि शायद संजू वहां थे। वरना सिकंदर रजा नई बॉल लेने के लिए जाने जाते हैं। अभिषेक के जबरदस्त प्रदर्शन के तुरंत बाद संजू ने लय पकड़ ली। यह कुछ ऐसा है जिसे देखने की हमें आदत हो गई है। हां, विश्व कप की शुरुआत में थोड़ी गड़बड़ हुई, लेकिन जब वह अच्छा करते हैं, तो इंडिया हमेशा शानदार स्कोर तक पहुँचता है।

बॉलीवुड

एक-दूजे का हाथ थामे दिखे 'विरोश'

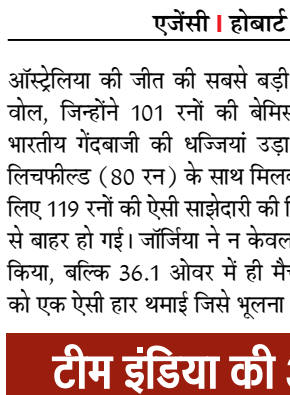

शादी के बाद रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा पति-पत्नी के रूप में उदयपुर से लौटते नजर आए। एयरपोर्ट पर मौजूद पैपराजी ने नवविवाहित जोड़े को कैमरों में कैद किया। लाल कढ़ाई वाले सूट में सजी रश्मिका नई नवेली दुल्हन के रूप में बेहद खूबसूरत दिखीं, जबकि विजय सफेद परिधान और काले चश्मे में नजर आए। दोनों हाथों में हाथ डाले एयरपोर्ट पहुंचे, जहां उन्हें बधाई देने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी।

झुककर किया नमस्ते, फैंस ने दी शुभकामनाएं

एयरपोर्ट पर भारी सुरक्षा के बीच जैसे ही यह जोड़ा पहुंचा, वहां मौजूद लोगों ने जोरदार तालियों और बधाइयों से उनका स्वागत किया। रश्मिका और विजय ने झुककर और हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया। वीडियो में कुछ लोग 'रश्मिका देवरकोंडा' के नारे लगाते सुनाई दिए, जिस पर अभिनेत्री मुस्कुराती और शरमाती नजर आईं।

4 मार्च को हैदराबाद में रिसेप्शन

गौरतलब है कि दोनों ने 26 फरवरी को परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में पारंपरिक तेलुगु रीति-रिवाजों से विवाह किया था। शाम को कोडवा परंपरा के तहत भी रस्में निभाई गईं। खबर है कि 4 मार्च को हैदराबाद में भव्य रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा, जिसमें फिल्म, खेल और राजनीति जगत की कई हस्तियां शामिल हो सकती हैं। सूत्रों के अनुसार, समारोह के लिए नरेंद्र मोदी और अमित शाह को भी आमंत्रण भेजा गया है। अब फैंस की नजर इस हाई-प्रोफाइल रिसेप्शन पर टिकी है।

मालामाल वीकली का बनेगा सीक्वल

वर्ष 2006 में रिलीज हुई कॉमेडी फिल्म 'मालामाल वीकली' की दूसरी किस्त पर काम शुरू होने की खबर है। रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव अभिनीत इस फिल्म ने अपने अनोखे हास्य और ग्रामीण पृष्ठभूमि के कारण दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। अब लगभग दो दशक बाद इसके सीक्वल की तैयारी फैंस के लिए बड़ी खबर मानी जा रही है।

नया प्लॉट, अलग किरदार

रिपोर्ट्स के अनुसार, 'मालामाल वीकली 2' को लेकर कलाकारों से बातचीत शुरू हो चुकी है। टीम को दूसरे भाग के लिए एक मजबूत और रोचक आइडिया मिला है। हालांकि यह सीधे तौर पर पहले भाग की कहानी का विस्तार नहीं होगा। इस बार नए किरदार और नई पृष्ठभूमि होगी, लेकिन कहानी की मूल भावना, लालच और ग्रामीण परिवेश से जुड़ी हास्य स्थितियां, पहले भाग जैसी ही रहेंगी।

तापसी पन्नू ने दर्शकों से 'अस्सी' देखने की अपील की

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'अस्सी' को लेकर सुर्खियों में हैं। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब तक 6.89 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। फिल्म को लेकर मिल रहे रिस्पॉन्स के बीच तापसी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर दर्शकों का आभार जताया है। उन्होंने बताया कि 'अस्सी' देखने के बाद कई लोगों ने इस मुद्दे को व्यक्तिगत रूप से लिया और फिल्म पर गंभीर लेख व समीक्षाएं लिखीं। तापसी ने कहा, 'मैंने आप सभी के रिव्यू पढ़े और देखे हैं। अगर इतने लोग इस फिल्म के बारे में लिख रहे हैं, तो जरूर इसमें कुछ खास बात होगी। आप भी इसे देखें और समझें कि आखिर क्यों इस पर इतनी चर्चा हो रही है।' उन्होंने दर्शकों से फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा कि अगर फिल्म अच्छी लगे या किसी भी तरह का प्रभाव छोड़े, तो अपने विचार जरूर शेयर करें। तापसी ने यह भी स्वीकार किया कि फिल्म थोड़ी असहज कर सकती है, लेकिन लंबे समय तक याद रहने वाली है। 'अस्सी' एक कोर्टरूम ड्रामा है, जिसमें तापसी पन्नू एक वकील की भूमिका निभा रही हैं, जो महिला अपराधों के खिलाफ लड़ाई लड़ती है। फिल्म की कहानी समाज के संवेदनशील मुद्दों को उठाते हुए कई चौंकाने वाले पहलुओं को सामने लाती है।

'व्हाइट लोटस 4' में नहीं होंगी दीपिका पादुकोण

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण से जुड़ी एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। वह पहले बहुप्रतीक्षित फिल्में 'कल्कि 2' और 'स्पिरिट' से बाहर होने को लेकर चर्चा में थीं। अब खबर है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीरीज 'द व्हाइट लोटस सीजन 4' में काम करने से भी इनकार कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सीरीज के निर्माताओं ने दीपिका से संपर्क कर उन्हें ऑडिशन देने के लिए कहा था। अभिनेत्री ने ऑडिशन प्रक्रिया में हिस्सा लेने से साफ मना कर दिया, जिसके चलते यह मौका उनके हाथ से निकल गया। बताया जा रहा है कि 'द व्हाइट लोटस' की कास्टिंग प्रक्रिया में ऑडिशन अनिवार्य रखा गया था। निर्माता किसी भी कलाकार को अंतिम रूप देने से पहले उनका ऑडिशन लेना चाहते थे। सूत्रों के मुताबिक, दीपिका इस प्रक्रिया के लिए तैयार नहीं थीं, जिस कारण वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बन पाईं। गौरतलब है कि इससे पहले भी निर्माताओं ने उन्हें तीसरे सीजन के लिए अप्रोच किया था, लेकिन उस समय वह प्रेग्नेंसी के चलते यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर सकी थीं। वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका को आखिरी बार 'कल्कि 2898 एडी' में देखा गया था। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

तमिलनाडु में एक फेज में होगा चुनाव

एजेंसी । चेन्नई

चेन्नई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान CEC ज्ञानेश कुमार ने संकेत दिए कि तमिलनाडु की सभी सीटों पर एक ही चरण (Single Phase) में चुनाव कराए जा सकते हैं। आयोग ने राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के साथ लंबी बैठकें की हैं। हालांकि तारीखों का अंतिम एलान अभी बाकी है, लेकिन आयोग का मानना है कि एक फेज में चुनाव कराना राज्य की व्यवस्था के लिए मुफीद होगा।

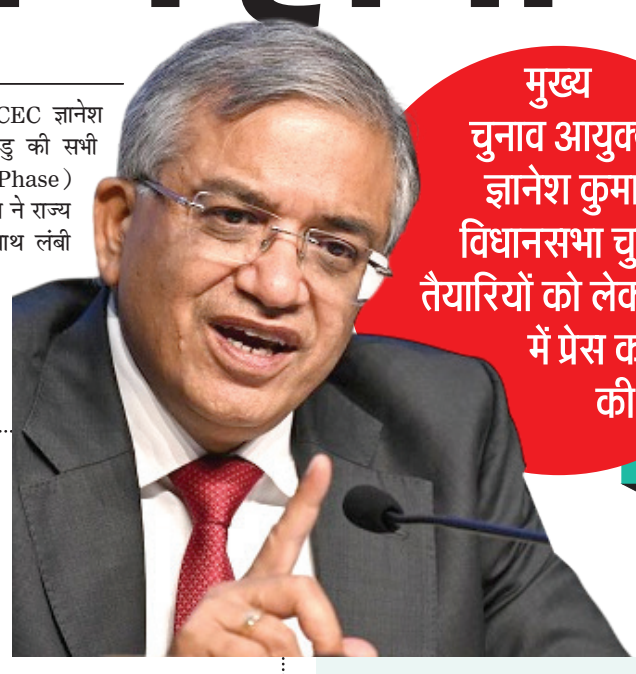

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चेन्नई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की

महिलाओं और दिव्यांगों का 'पावर शो'

इस बार चुनाव में समावेशी तस्वीर देखने को मिलेगी। राज्य के 258 पोलिंग बूथ पूरी तरह महिलाओं द्वारा संभाले जाएंगे, जबकि 47 बूथों की जिम्मेदारी दिव्यांग कर्मचारी उठाएंगे। इसके अलावा 265 'मॉडल पोलिंग स्टेशन' बनाए जा रहे हैं जहाँ वोटरों को खास सुविधाएं मिलेंगी। हर बूथ पर औसतन 756 मतदाता होंगे, ताकि भीड़ न हो और लोग आसानी से वोट डाल सकें।

5.67 करोड़ मतदाता

हाल ही में हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद तमिलनाडु में वोटरों की संख्या 5 करोड़ 67 लाख तक पहुँच गई है। आयोग ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी योग्य नागरिक वोट देने से न छूटे। चुनाव कराने के लिए पूरे राज्य में 75,000 पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें से 44,000 ग्रामीण इलाकों में होंगे। आयोग ने अपील की है कि लोग भारी संख्या में बाहर निकलें और वोटिंग का नया रिकॉर्ड बनाएं।

हर बूथ पर 'तीसरी आँख' का पहरा

चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। हर एक पोलिंग बूथ पर 100% वेबकास्टिंग की जाएगी, यानी चुनाव की लाइव निगरानी होगी। ज्ञानेश कुमार ने भरोसा दिलाया कि चुनाव पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष होंगे। उन्होंने कहा कि 'तमिलनाडु इलेक्शन में रिकॉर्ड बनाएगा और यह बिहार के चुनावों से भी बहुत बेहतर और शांतिपूर्ण होगा।'

लालच और धांधली पर 'जीरो टॉलरेंस'

CEC ने 24 प्रवर्तन एजेंसियों और पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वोटरों को लुभाने के लिए बांटी जाने वाली शराब, कैश या अन्य गिफ्ट्स पर कड़ी नजर रखी जाए। आयोग ने 10वीं सदी के रुकुडावोलाई सिस्टमर (प्राचीन लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया) का जिक्र करते हुए कहा कि तमिलनाडु का चुनावी इतिहास बहुत पुराना और समृद्ध है, और इस बार का आधुनिक चुनाव उसी गौरव को आगे बढ़ाएगा।

एसआईआर के बाद राज्य में 5.67 करोड़ वोटर बचे

क्या कहते हैं आंकड़े ?

- कुल मतदाता : 5 करोड़ 67 लाख
- कुल पोलिंग स्टेशन : 75,000
- वेबकास्टिंग: 100% (सभी बूथों पर)
- महिला संचालित बूथ: 258

बंगाल में 'कांपी' धरती

कोलकाता सहित बंगाल के कई जिलों में भूकंप, 5 .5 तीव्रता

तेज झटके महसूस हुए, इमारतें हिलीं

बांग्लादेश के ढाका में था केंद्र

एजेंसी । कोलकाता

शुक्रवार की दोपहर जब लोग अपने काम-काज में व्यस्त थे, तभी अचानक करीब 1.22 बजे कोलकाता और आसपास के इलाकों में जमीन हिलने लगी। लगभग 10 सेकंड तक महसूस हुए इन तेज झटकों ने लोगों को घबरा दिया। दफ्तरों और घरों से लोग चिल्लाते हुए बाहर की ओर भागे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पंखे, झूमर और मेज पर रखी पानी की बोतलें साफ तौर पर हिलती नजर आईं।

बांग्लादेश सीमा के बिल्कुल करीब था केंद्र

भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, इस भूकंप की तीव्रता 5.5 मापी गई। इसका केंद्र बांग्लादेश का सतखीरा जिला था, जो कोलकाता से करीब 100 किलोमीटर और उत्तर 24 परगना से महज 25 किलोमीटर दूर है। जमीन के अंदर इसकी गहराई सिर्फ 10 किलोमीटर थी, यही वजह है कि सतह पर झटके काफी जोरदार महसूस हुए।

बेहाला में सड़क धंसी इमारतों में दरारें

भूकंप का असर शहर के बुनियादी ढांचे पर भी देखने को मिला। कोलकाता के बेहाला इलाके में सड़क का एक बड़ा हिस्सा धंस गया और उसमें लंबी दरारें आ गईं, जिससे ट्रैफिक भी प्रभावित हुआ। शहर की कई ऊंची इमारतों और ऑफिसों की दीवारों में दरारें आने की खबरें भी सामने आई हैं। लोग सुरक्षा के लिहाज से घंटों खुले मैदानों और सड़कों पर जमा रहे।

कई जिलों में दिखा 'दहशत' का साया

कोलकाता के अलावा हावड़ा, हुगली, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनीपुर जिलों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। फिलहाल राहत की बात यह है कि राज्य के किसी भी हिस्से से जानमाल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक खबर नहीं आई है। हालांकि, दोपहर के बाद कोई आफ्टरशॉक (भूकंप के बाद के छोटे झटके) महसूस नहीं किया गया, जिससे प्रशासन ने थोड़ी राहत की सांस ली है।

कोलकाता में इस महीने दूसरी बार भूकंप

कोलकाता में इस महीने यह दूसरी बार भूकंप आया है। इससे पहले 3 फरवरी की रात को भी कोलकाता में भूकंप आया था। तब भूकंप का केंद्र म्यांमार में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6 दर्ज की गई थी। बंगाल में लगातार आ रहे भूकंप से लोगों में चिंता बढ़ गई है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। इससे पहले नंवबर 2025 में बांग्लादेश के ढाका और चिटगांव समेत कई इलाकों में भूकंप आया था। इसके झटके पश्चिम बंगाल के कोलकाता, सिलीगुड़ी और उत्तर-पूर्वी भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए थे।

प्रशासन मुस्तैद, निगरानी जारी

भूकंप के बाद कोलकाता पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें सतर्क हो गई हैं। प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन किया जा रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि पुराने और जर्जर मकानों में रहने वाले लोग सावधानी बरतें। फिलहाल स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है, लेकिन लोगों के मन में दोबारा झटके आने का डर अभी भी बना हुआ है।

जयललिता के सिपहसालार अब स्टालिन के साथ

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में आज वह हो गया जिसकी कल्पना कुछ समय पहले तक नामुमकिन थी। AIADMK के दिग्गज और पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम (OPS) ने अपने धुर विरोधी दल DMK का 'सूरज' थाम लिया है। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने ओ पन्नीरसेल्वम को पार्टी में शामिल कराते हुए उन्हें 'प्रिय भाई' कहकर संबोधित किया। स्टालिन ने सोशल मीडिया (X) पर तस्वीर साझा करते हुए कहा कि द्रविड़ विचारधारा की रक्षा के लिए ओपीएस का साथ आना एक बड़ा कदम है। जयललिता के वफादार रहे नेता का इस तरह धुर विरोधी खेमे में जाना तमिलनाडु की राजनीति की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक है।

पन्नीरसेल्वम ने छोड़ा अन्नाद्रमुक का साथ, डीएमके के लिए मांगेंगे वोट

अन्नाद्रमुक अब पतन की ओर : ओपीएस

डीएमके में शामिल होते ही ओपीएस ने अपने पुराने साथी ई. पलानीस्वामी (EPS) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ईपीएस तानाशाही तरीके से पार्टी चला रहे हैं और इसी वजह से AIADMK खत्म हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन की तारीफों के पुल बांधते हुए कहा कि राज्य की महिलाएं डीएमके सरकार की सुविधाओं और सुशासन से बेहद खुश हैं।

तीन बार के सीएम का लंबा सियासी सफर

ओ पन्नीरसेल्वम का कद छोटा नहीं है; वे तीन बार (2001, 2014, 2016) तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। जयललिता के सबसे भरोसेमंद चेहरों में गिने जाने वाले ओपीएस को 2022 में आपसी खींचतान के बाद AIADMK से निकाल दिया गया था। तब से वे अलग-थलग पड़ गए थे, लेकिन अब डीएमके का दामन थामकर उन्होंने अपनी नई पारी का आगाज कर दिया है।

'थेनी' के गढ़ में मचेगी खलबली

ओपीएस की ताकत उनके विधानसभा क्षेत्र बोदिनायक्कनूर (थेनी जिला) में छिपी है। पिछले चुनाव में उन्होंने यहाँ से 1 लाख से अधिक वोटों से जीत दर्ज की थी। अब जब वे डीएमके के साथ हैं, तो दक्षिण तमिलनाडु के इस बेल्ट में एआईएडीएमके के लिए अपना किला बचाना बहुत मुश्किल होने वाला है। उनके समर्थकों के भी डीएमके में जाने से वोटों का गणित पूरी तरह बदल सकता है।

आबू समेत राजस्थान के 3 शहरों का बदलेगा नाम

जयपुर। राजस्थान की राजनीति और प्रशासनिक इतिहास में शुक्रवार का दिन अहम बन गया, जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में तीन ऐतिहासिक शहरों के नाम बदलने की घोषणा कर दी। अब माउंट आबू को अबूराज, कामां को कामवन और जहाजपुर को यज्ञपुर के नाम से जाना जाएगा। सरकार ने इसे प्रदेश की सांस्कृतिक अस्मिता और ऐतिहासिक पहचान को पुनर्स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम बताया है। सिरोही जिले का प्रसिद्ध पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू अब आधिकारिक रूप से अबूराज कहलाएगा। अरावली पर्वतमाला की गोद में बसा यह स्थल वर्षों से राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन रहा है। सरकार का कहना है कि 'अबूराज' नाम इसकी प्राचीन पहचान से जुड़ा हुआ है।

अभिनेता दिलीप को बरी किए जाने के खिलाफ अपील

कोच्चि। केरल सरकार ने शुक्रवार को केरल हाई कोर्ट में याचिका दायर कर एर्नाकुलम के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय के उस हालिया फैसले को चुनौती दी, जिसमें 2017 के अभिनेत्री अपहरण और यौन उत्पीड़न मामले में मलयालम अभिनेता दिलीप को बरी कर दिया गया था, जबकि छह अन्य आरोपियों को दोषी ठहराया गया था। दिसंबर 2025 में सत्र न्यायालय की न्यायाधीश हनी एम. वर्गीज ने दिलीप को सभी आरोपों से बरी कर दिया था, लेकिन छह अन्य आरोपियों को दोषी पाया था। अदालत ने उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 376डी (सामूहिक दुष्कर्म) के तहत निर्धारित न्यूनतम सजा के रूप में 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ 'खुले युद्ध' की घोषणा की

पाकिस्तान का दावा: 22 ठिकानों पर हमला, 274 लड़ाकों को मार गिराया

एजेंसी । कराची

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव अब पूरी तरह से सैनिक संघर्ष में बदल चुका है। टीटीपी (TTP) को पनाह देने के आरोपों से शुरू हुआ यह विवाद अब सरहद पर बमबारी और भारी जानी नुकसान तक पहुँच गया है। दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं और हालात 'युद्ध' जैसे हो गए हैं। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार को दुनिया के सामने इस खूनी खेल का हिसाब रखा। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के 22 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें करीब 274 अफगान लड़ाके मारे गए हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने भारी मन से यह भी माना कि इस जवाबी कार्रवाई में उनके अपने 12 सैनिक भी मारे गए हैं

पाकिस्तान का तालिबान को 'अल्टीमेटम'

पाकिस्तानी सेना ने अब कूटनीति के बजाय सीधी धमकी का रास्ता चुना है। प्रवक्ता ने साफ कहा कि अफगान तालिबान को अब यह तय करना होगा कि वह टीटीपी (TTP), अलकायदा और बीएलए (BLA) जैसे आतंकी संगठनों का साथ देगा या पाकिस्तान की दोस्ती चुनेगा। यह वही पाकिस्तान है जिसने कभी इन लड़ाकों को सोवियत और अमेरिका के खिलाफ पनाह दी थी, लेकिन आज वही 'पालतू' उसके लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन गए हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने साफ कर दिया है कि अब पाकिस्तान 'बर्दाश्त करने' की स्थिति में नहीं है।

पीएम मोदी का राजस्थान-गुजरात दौरा

करोड़ों की परियोजनाओं की देंगे सौगात

सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन भी होगा

एजेंसी । कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राजस्थान और गुजरात के महत्वपूर्ण दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे देश की महिलाओं के स्वास्थ्य, युवाओं के रोजगार और भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे।

राजस्थान में 16,680 करोड़ की परियोजनाओं का तोहफा

प्रधानमंत्री सुबह करीब 11:30 बजे राजस्थान के अजमेर पहुंचेंगे। यहां वे 16,680 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। ये प्रोजेक्ट्स मुख्य रूप से शहरी विकास, स्वच्छ पेयजल, सड़क नेटवर्क, सिंचाई, ऊर्जा और औद्योगिक बुनियादी ढांचे से संबंधित हैं। इस अवसर पर वे एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में प्रधानमंत्री अजमेर से एक ऐतिहासिक कदम उठाएंगे। वे 14 साल की लड़कियों के लिए 'ह्यूमन पेपिलोमावायरस' (एचपीवी) वैक्सीनेशन का राष्ट्रव्यापी अभियान लॉन्च करेंगे। इस पहल का मकसद सर्वाइकल कैंसर को रोकना है, जो महिलाओं में कैंसर से जुड़ी बीमारियों के मुख्य कारणों में से एक है और यह देश भर में लड़कियों और महिलाओं की लंबे समय तक सेहत की सुरक्षा में एक अहम मील का पत्थर है।

गुजरात में सेमीकंडक्टर क्रांति का आगाज

इसके बाद दोपहर करीब 3:45 बजे प्रधानमंत्री गुजरात के साणंद पहुंचेंगे। यहां वे माइक्रोन कंपनी की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्ट और पैकेजिंग (एटीएमपी) फैसिलिटी का उद्घाटन करेंगे। यह भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत मंजूर पहला प्रोजेक्ट है, जिसकी लागत 22,500 करोड़ रुपये से अधिक है। वह इस मौके पर मौजूद लोगों को भी संबोधित करेंगे। यह प्लांट भारत को ग्लोबल सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन की स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यहां 'मेड-इन-इंडिया' मेमोरी मॉड्यूल का उत्पादन होगा, जो दुनिया भर के बाजारों में भेजे जाएंगे। यह फैसिलिटी पांच लाख स्क्वायर फीट में फैली है और दुनिया के सबसे बड़े क्लीनरूम स्पेस में से एक है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने में मदद करेगी।

उपलब्धि आईएनएस अंजदीप भारतीय नौसेना में शामिल

समंदर में भारत का नया 'डॉल्फिन हंटर'

एजेंसी । चेन्नई

भारतीय नौसेना ने समंदर में अपनी चौकसी और मारक क्षमता को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। 27 फरवरी को चेन्नई में INS अंजदीप को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया गया। इसे 'डॉल्फिन हंटर' कहा जा रहा है, जो उथले पानी में छिपी दुश्मन की पनडुब्बियों का काल साबित होगा। इस शक्तिशाली युद्धपोत का नाम कर्नाटक के कारवार तट के पास स्थित अंजदीप द्वीप के सम्मान में रखा गया है। दिलचस्प बात यह है कि इसी नाम का एक पुराना युद्धपोत 2003 में रिटायर हुआ था, और अब यह नया INS अंजदीप उसी का आधुनिक और घातक 'नया अवतार' है। इसका निर्माण कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने किया है।

उथले पानी का बेताज बादशाह

अक्सर पनडुब्बियां तटीय इलाकों के कम गहरे या उथले पानी में छिपकर वार करती हैं, जहाँ बड़े जहाजों का पहुँचना मुश्किल होता है। INS अंजदीप को इसी चुनौती से निपटने के लिए बनाया गया है। यह 77 मीटर लंबा है और इसमें हाई-स्पीड वाटर-जेट प्रोपल्शन सिस्टम लगा है। इसकी अधिकतम रफ्तार 25 समुद्री मील है, जो इसे दुश्मन का पीछा करने और त्वरित हमला करने में माहिर बनाती है।

घातक हथियारों से है लैस

INS अंजदीप सिर्फ एक जहाज नहीं, बल्कि समंदर में तैरता हुआ हथियार घर है। इसमें अत्याधुनिक हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी पनडुब्बी रोधी रॉकेट और बेहद संवेदनशील सोनार सिस्टम लगाया गया है। यह सिस्टम समंदर की गहराई में छिपे दुश्मन के खतरों को पहचान कर उन्हें वहीं निष्क्रिय करने की क्षमता रखता है। पनडुब्बियों का शिकार करने के अलावा, यह युद्धपोत कई और काम करने में भी सक्षम है। यह तटीय निगरानी (Coastal Surveillance), कम तीव्रता वाले समुद्री ऑपरेशन और खोज एवं बचाव अभियानों में भी अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही, यह समुद्री बारूदी सुरंग (Mines) बिछाने की क्षमता को भी मजबूत करता है।

80% स्वदेशी सामान से बना युद्धपोत अंजदीप

इस युद्धपोत की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से बना है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी की मौजूदगी में इसे कमीशन किया जाना भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इससे न केवल विदेशों पर निर्भरता कम होगी, बल्कि भारत की रक्षा निर्माण क्षमता को भी वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी।